हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक : 30 ■ नई दिल्ली 22 से 28 मई 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

क्या तलाक लेने वाली हैं सपना चौधरी?

अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा : अमित शाह

- बीएसएफ के 60वें वर्ष पर अमित शाह का विजन, बनेगा 'चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड'

भुज, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है और अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों की बुरी नजर से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा ढांचे और बीएसएफ जवानों के पराक्रम के बल पर भारत की सीमाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है।

कच्छ के भुज क्षेत्र में आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि सरक्रीक और भुज क्षेत्र में बीएसएफ के जवान चट्टान की तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं। उनके साहस, समर्पण और सतर्कता के कारण इस क्षेत्र के लोग सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी है। आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में वॉच टावरों का निर्माण किया गया है और कई बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) को ग्राउंड लेवल से ऊपर उठाकर अधिक सुरक्षित बनाया गया है। इन प्रयासों से जवानों की कार्यक्षमता बढ़ी है और निगरानी व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अपनी स्थापना के 60वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा की अवधारणा को नए सिरे से विकसित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में 'चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड' तैयार किया जाएगा और केवल सीमा सुरक्षा की जगह 'टेरिटोरियल सिक्योरिटी' यानी क्षेत्रीय सुरक्षा का नया मॉडल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था में बीएसएफ के साथ-साथ स्थानीय नागरिक, सिविल प्रशासन, स्थानीय पुलिस और सेना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे सुरक्षा व्यवस्था अधिक मजबूत और व्यापक बनेगी।

उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने का यह प्रयास देश की सुरक्षा को नई दिशा देगा। स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार हजारों करोड़ रुपये खर्च कर सीमा सुरक्षा को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बना रही है। ड्रोन, रडार, अत्याधुनिक सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली और आधुनिक संचार नेटवर्क के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती दी जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन तकनीकों और जवानों की तैनाती से ऐसा मजबूत सुरक्षा ग्रिड तैयार होगा, जिसके बाद कोई भी घुसपैठिया भारतीय सीमा को भेदने की हिम्मत नहीं कर सकेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार कुछ नए क्षेत्रों की सुरक्षा जिम्मेदारी भी बीएसएफ को सौंपने पर विचार कर रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अधूरी सीमा बाड़बंदी को सुरक्षा ग्रिड की एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि कई स्थानों पर भूमि उपलब्ध न होने के कारण फेंसिंग का कार्य रुका हुआ था। अब इस दिशा में सकारात्मक प्रगति हुई है और सीमा पर बाड़बंदी का कार्य तेजी से आगे बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि जहां पारंपरिक फेंसिंग संभव नहीं है, वहां तकनीकी फेंसिंग और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।

चार राज्यों में एनआईए की कार्रवाई

किशनगंज से एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी

किशनगंज, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को देश के चार राज्यों में एक साथ कार्रवाई करते हुए 12 ठिकानों पर छापेमारी की। इसी अभियान के तहत बिहार के किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड स्थित मिजार्पुर गांव में भी टीम ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे एनआईए, एनएसजी तथा अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम जनता हाट निवासी मनोज रविदास (पिता-लखन रविदास) के घर पहुंची। टीम ने लगभग आठ घंटे तक घर की तलाशी ली और परिवार के सदस्यों से पूछताछ की। इसके एनआईए के अधिकारी बाद मनोज रविदास को अपने ले गए। बताया जा रहा है कि उससे किशनगंज सर्किट हाउस में पूछताछ की जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मनोज पिछले करीब दो वर्षों से जनता हाट में चप्पल-जूते की दुकान चला रहा था। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। परिवार के सदस्य काफी घबराए हुए नजर आए, जबकि घर के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती बनी रही। मीडिया कर्मियों को भी मौके पर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई सीमा पार से संचालित उस कथित आतंकी साजिश से जुड़ी है, जिसमें ड्रोन के जरिए भारत में हथियार, गोला-बारूद और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पहुंचाने की योजना शामिल थी।

एजेंसी को आशंका है कि इस नेटवर्क के तार देश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय मॉड्यूल से जुड़े हो सकते हैं।

जांच एजेंसी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पांच, महाराष्ट्र में तीन, राजस्थान में दो और बिहार में दो स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। इस दौरान कई डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन, दस्तावेज और अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त की गई है, जिनकी फोरेंसिक जांच की जा रही है।

वहीं, जांच एजेंसी पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े फंडिंग नेटवर्क की भी जांच कर रही है। एनआईए की इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों की तलाश में जुट गई हैं।

भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब ने जारी किया 10 साल का रोडमैप

नई दिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग के फ्रंटियर टेक हब ने भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग को मजबूत बनाने के लिए एक बड़ा रोडमैप जारी किया है। 'फ्यूचर ऑफ इंडिया' सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री नामक यह 10 वर्षीय रोडमैप भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में मजबूत स्थिति दिलाने की दिशा में तैयार किया गया है।

शुक्रवार को केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण और रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस रोडमैप को लॉन्च किया। इस मौके पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी भी मौजूद रहे।

नीति आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि फ्रंटियर टेक्नोलॉजी में नेतृत्व कुछ वर्षों में हासिल नहीं होता, बल्कि इसके लिए लंबी अवधि की योजना, लगातार क्षमता निर्माण और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए समय से पहले निवेश करना जरूरी होता है। यही दिशा यह रोडमैप तय करता है।

पोस्ट में आगे कहा गया है कि रोडमैप में भारत के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है, जिसके तहत 2035 तक देश में 120 से 150 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करने की योजना है। इसमें डिजाइन, एडवांस पैकेजिंग, कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स और अन्य उभरते क्षेत्रों में अवसरों की पहचान की गई है।

नीति आयोग का कहना है कि भारत अब केवल शुरूआती इकोसिस्टम तैयार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि अब वह इस इकोसिस्टम को और गहरा और मजबूत बनाने के चरण में प्रवेश कर चुका है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि भारत ने सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करने में उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से प्रगति की है। हालांकि, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तकनीकी आत्मनिर्भरता बेहद महत्वपूर्ण होगी।

पाकिस्तान से अब तक लड़े गए अन्य सभी युद्धों से अलग था 'ऑपरेशन सिंदूर' : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक पुस्तक जारी की, जिसमें सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संजोया गया है। पुस्तक में बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर एक अभूतपूर्व सफलता थी, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए विवश कर दिया। यह पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से परे जाकर वीर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को समेटती है। साथ ही आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की वह झलक भी मिलती है, जहां नेतृत्व, साहस, दबाव में निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिबद्धता रणनीति को सफलता में बदल देती है।

राजनाथ सिंह ने पुस्तक जारी करते हुए कहा कि यह प्रकाशन आधुनिक युद्ध के उस मानवीय पहलू को दशार्ता है, जो रणनीति को सफलता में बदल देता है। यह पुस्तक उन लोगों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान बलिदान दिया। साथ ही उन्होंने इसे सैनिकों की निष्ठा और अदम्य साहस से जुड़ने का एक माध्यम भी बताया।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर इस पुस्तक में उन 100 अधिकारियों, नाविकों, वायुसैनिकों और अन्य सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संकलित किया गया है, जिन्होंने इस ऑपरेशन में हिस्सा लिया था। राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक अभूतपूर्व सफलता बताया, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान से अब तक लड़े गए अन्य सभी युद्धों से अलग था। यह किताब जान-बूझकर आधिकारिक सैन्य इतिहास-लेखन की परंपराओं से हटकर लिखी गई है। यह किताब जवानों के असली अनुभव को फिर से सामने लाने की एक कोशिश है। पुस्तक में तीनों सेनाओं के साथ-साथ मुख्यालय और इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के अनुभवों को भी शामिल किया गया है। इसमें लड़ाकू पायलट, नौसेना के वॉचकीपर, जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल के क्रू, स्पेशल फोर्स के ऑपरेटर, सिग्नलर, लॉजिस्टिशियन, मेडिकल ऑफिसर और उन संयुक्त व एकीकृत संगठनों के जवान शामिल हैं, जो पूरे ऑपरेशन को एक सूत्र में पिरोते हैं।

राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक 10 जून को, मोदी का होगा अभिनंदन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक 10 जून को आयोजित की गई है। अशोका होटल में आयोजित होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन किया जाएगा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और उनके कार्यकाल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विशेष प्रस्ताव भी पारित किया जाएगा।

पार्टी के सूत्रों ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य मोदी सरकार की 12 साल की सफलताओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक देशव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार करना है। बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा सहित सरकार के कई मंत्री मौजूद रहेंगे। बैठक में मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, सुशासन, संगठनात्मक समन्वय और आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा होगी। इसके साथ केंद्र की योजनाओं की समीक्षा, केंद्र-राज्य समन्वय को बेहतर बनाने पर भी चर्चा होगी। उल्लेखनीय है कि मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष पूरे कर लिए। 2019 में दूसरी बार और 2024 में वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। उन्होंने 9 जून 2024 को तीसरी बार शपथ ली। वर्ष 2014 में पहली बार शपथ लेने के बाद से उनका यह सफर बड़े और क्रांतिकारी फैसलों (जैसे अनुच्छेद 370, राम मंदिर निर्माण और जीएसटी लागू करना) और डिजिटल इंडिया, जन धन योजना और उज्ज्वला जैसी कल्याणकारी योजनाओं का साक्षी रहा है।

88 करोड़ की आदिवासी शिक्षा परियोजनाओं का भूमिपूजन, मंत्री नरेश पटेल ने गिनाई योजनाएं

गामित रमेशभाई दर्जीभाई

गुजरातः तापी जिले के उच्छल तालुका के वडपाडा नेसु में आदिजाति विभाग के अंतर्गत आदर्श आवासीय विद्यालय एवं सरकारी कुमार-कन्या छात्रालयों के 88.05 करोड़ के भूमिपूजन करते कैबिनेट मंत्री श्री नरेशभाई पटेल एवं राज्य मंत्री श्री डॉ. जयरामभाई गावित सरकार हमारे बच्चों के शिक्षा भविष्य की चिंता करती है। अभिभावकों को भी विद्यार्थियों की देखभाल करनी चाहिए। आदिवासी क्षेत्र में उमरगाम से अंबाजी तक के 27 विधानसभा क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के लिए 37 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है।

आदिजाति विकास कैबिनेट मंत्री श्री नरेशभाई पटेल

(सूचना ब्यूरो, व्यारा) दिनांक 24- तापी जिले के उच्छल तालुका के वडपाडा नेसु में आदिजाति विभाग के अंतर्गत आदर्श आवासीय विद्यालय एवं सरकारी कुमार-कन्या छात्रालयों के 88.05 करोड़ के भूमिपूजन का

कार्यक्रम आज आदिजाति विकास कैबिनेट मंत्री एवं तापी जिला प्रभारी मंत्री श्री नरेशभाई पटेल तथा राज्य मंत्री श्री डॉ. जयरामभाई गावित सहित अन्य महानुभावों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। आदिजाति विकास मंत्री श्री नरेशभाई पटेल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने बेटियों की शिक्षा के लिए 'कन्या केलवणी' अभियान की शुरूआत कर ड्रॉपआउट रेशियो को कम किया है। सरकार हमारे बच्चों के शिक्षा भविष्य की चिंता करती है। अभिभावकों को भी विद्यार्थियों की देखभाल करनी चाहिए। आदिवासी क्षेत्र में उमरगाम से अंबाजी तक के 27 विधानसभा क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के लिए ?37 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। आदिजाति क्षेत्रों में आदर्श आवासीय विद्यालय एवं एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल जैसी सुविधायुक्त शालाएँ सरकार द्वारा बनाई गई हैं। आज ये विद्यालय कक्षा 10 और 12 में शत-प्रतिशत परिणाम दे रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना में ?801 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। स्थानीय रोजगार उपलब्ध हो सके इसके लिए ग्रीन जी.आई.डी.सी. लाई जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

खेल, युवा सेवा एवं सांस्कृतिक राज्य मंत्री श्री डॉ. जयरामभाई गावित ने कहा कि हमारे क्षेत्र के विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने शिक्षा और स्वास्थ्य की विशेष चिंता की है। आगामी दिनों में निजर के लक्ष्मीखेड़ा में ?51 करोड़ की लागत से आदर्श आवासीय विद्यालय का भूमिपूजन किया जाएगा। हमें भी सरकार की योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। प्रायोजना प्रशासक श्री राजेश कुमार मौर्य ने सभी महानुभावों का स्वागत करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आदिजाति क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में समय पर गुणवत्तापूर्ण सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए हमारा विभाग प्रतिबद्ध है।

आज उच्छल तालुका में 'कंस्ट्रक्शन ऑफ न्यू गवर्नमेंट आदर्श निवासीय स्कूल (मिश्र), बॉयज एवं गर्ल्स हॉस्टल, डाइनिंग हॉल एंड स्टाफ क्वार्टर वर्ग-3/4' के वडपाडा में निर्माण कार्य हेतु 51.33 करोड़ तथा माणेकपुर में 'कंस्ट्रक्शन ऑफ न्यू गवर्नमेंट बॉयज हॉस्टल बिल्डिंग, किचन एंड डाइनिंग हॉल' के निर्माण हेतु 18.36 करोड़ एवं 'न्यू गवर्नमेंट गर्ल्स हॉस्टल बिल्डिंग, किचन एंड डाइनिंग हॉल' के निर्माण हेतु 18.36 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन महानुभावों के हस्ते किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री देव चौधरी, मा.म. स्टेट कार्यपालक अभियंता श्री एम.एन. पटेल, नवनियुक्त तालुका प्रमुख निलेशभाई ढोडिया, उपप्रमुख तायुबेन, वडपाडा सरपंच आशाबेन, माणेकपुर सरपंच बीपीनचंद्र, सूरजभाई वसावा, पूर्व मेयर जगदीशभाई भलर, मामलतदारश्री, तालुका विकास अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामजन उपस्थित रहे।

नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का हुआ भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार, 5 दिन की रिमांड मंजूर

राजपूत रणजीत

गुजरातः मेहसाना जिले में नकली विदेशी शराब मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों को 5 दिन की रिमांड पर भेजा गया है। शराबबंदी के आपराधिक इतिहास वाले गगन और हर्षद की गिरफ्तारी में तेजी लाई जा रही है। मेहसाना स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने कडी तालुका के बुडासन गांव में एक रिहायशी इमारत में चल रही नकली विदेशी शराब की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 15 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। अदालत ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों को 5 दिन की रिमांड पर भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, काडी के बुदासन गांव में एक रिहायशी घर में नकली विदेशी शराब बनाने का एक गिरोह गुपचुप तरीके से चल रहा था। मेहसाना एलसीबी पुलिस को इसकी पुख्ता सूचना मिली और पुलिस ने योजना बनाकर घर पर अचानक छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस को भारी मात्रा में नकली शराब बनाने का सामान मिलने पर हैरानी हुई। पुलिस ने कारखाने से कुल 15,13,112 रुपये मूल्य की नकली विदेशी शराब, शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले मादक रसायन, खाली बोतलें, बुच, स्टिकर और अन्य पैकिंग सामग्री जब्त की है। पुलिस ने इस अपराध में शामिल दो अन्य आरोपियों, महेंद्रसिंह झाला और विजयजी ठाकोर को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जिसने आगे की पूछताछ और जांच के लिए उन्हें 5 दिन की रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस रिमांड के दौरान, पुलिस इस बात की जांच करेगी कि यह नकली शराब कहां से आ रही थी और इसमें मिला रसायन कहां से लाया जा रहा था। इस रैकेट में दो अन्य आरोपी गगन पटेल और हर्षद वाघेला भी शामिल हैं, जो फिलहाल पुलिस हिरासत से बाहर हैं। पुलिस के अनुसार, इन दोनों वांछित आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी खराब है और वे पहले भी शराबबंदी के मामलों में पकड़े जा चुके हैं। स्थानीय शराब कंपनी पुलिस ने इन दोनों आदतन अपराधियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें बनाकर कार्रवाई शुरू कर दी है। इस सफल अभियान के साथ, मेहसाना जिले में अवैध शराब बनाने वाले तस्करों और नकली शराब फैक्ट्रियों पर कड़ी कार्रवाई हुई है।

सीएम धामी ने किया विमोचन, हरित भविष्य पर दिए जोर

घनश्याम दास

उत्तराखंडः देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में काउंसिल ऑन एनर्जी, इन्वायरमेंट एण्ड वॉटर सी ई ई डब्ल्यू द्वारा तैयार सौर जागरूकता स्मारिका पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक पुस्तिका का विमोचन नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के आत्मनिर्भर और हरित भविष्य के निर्माण की दिशा में सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट के दौर में सौर ऊर्जा अब विकल्प नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जरूरत बन गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चल रही पीएम सूर्य घर योजना में उत्तराखंड ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उत्तराखण्ड राज्य ने 40 हजार रूफटॉप सोलर संयंत्रों का लक्ष्य समय से पहले पूरा कर लिया है। कुल लक्ष्य का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। विमोचन कार्यक्रम में विधायक सुरेश गड़िया, प्रमुख सचिव डॉक्टर आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव विनय शंकर पांडेय, सी ई ई डब्ल्यू के सीईओ डॉक्टर अरुणाभ घोष, पिटकुल के एमडी डॉक्टर मेहरबान सिंह बिष्ट, यूपीसीएल के एमडी जी. एस बुदियाल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चारधाम यात्रा पूर्ण कर राजकुमार दुबे ने किया भव्य भंडारे का ऐलान

अरसद अली

छत्तीसगढ़ः परमपिता परमात्मा की असीम कृपा से लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) के कोरबा जिलाध्यक्ष राजकुमार दुबे अपने पिता श्री लालता प्रसाद दुबे, माता श्रीमती श्यामा देवी, जीजा श्री जगन्नाथ पाण्डेय, दीदी श्रीमती कुसुम देवी पाण्डेय, एवं भाई महेंद्र दुबे को साथ लेकर सर्वप्रथम अपने कुलदेवी मां शक्ति से आशीर्वाद प्राप्त कर, कुलगुरु बड़ी छावनी (अयोध्या धाम) जा कर माता-पिता को गुरमुख करवा कर गुरु से आशीर्वाद प्राप्त कर, सर्वप्रथम अयोध्या धाम में विराजे भगवान राम लला के दर्शन किए एवं हनुमान गढ़ी पहुंचकर भक्त हनुमान जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

उसके पश्चात सनातन धर्म के अनुसार चारों धाम क्रमशः सेतुबंध रामेश्वरम, जो की तमिलनाडु प्रदेश में आता है, यात्रा संपन्न करते हुए दूसरे धाम द्वारका पहुंचकर द्वारकाधीश के चरणों में नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं दर्शन का लाभ लिए, द्वारकाधीश मंदिर से कुछ दूर पर ही भेंट द्वारका (गुजरात प्रदेश) का भी दर्शन

करके जीवन को कृतार्थ किये एवं ज्योतिर्लिंग नागेश्वर महादेव का भी दर्शन किये। इसके बाद उड़ीसा प्रदेश में स्थित तीसरा धाम जगन्नाथ स्वामी जी के दरबार में पहुंचे, जहां पर भैया बलभद्र, भगवान कृष्ण, और बहन सुभद्रा जी का दर्शन प्राप्त हुआ, उसके बाद आध्यात्मिक तीर्थ गया जी (बिहार) पहुंचकर भगवान के दर्शन किए एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। गया जी के दर्शन के पश्चात काशी विश्वनाथ में आकर बाबा जी के दर्शन का लाभ लिए एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके बाद 23 अप्रैल को चौथे धाम बद्री विशाल के कपाट खुल जाने के बाद हरिद्वार में गंगा स्नान एवं गंगा आरती के पश्चात भगवान बद्री विशाल जो कि उत्तराखंड प्रदेश में स्थित है, पहुंचकर भगवान बद्री विशाल का दर्शन किए। भगवान बद्री विशाल की विशालता वहां पर स्थित पहाड़ जो कि आसमान छूते नजर आ रहे हैं, वहां की नदियां जो की हजारों फीट अंदर पाताल लोक तक बह रही हैं, वहां के ठंड का मौसम मानो भगवान के महिमा का गुणगान कर रहे हैं और उनकी विशालता के प्रतीक हैं।

चारों धामों की यात्रा संपन्न कर राजकुमार दुबे अपने माता-पिता, जीजा-दीदी एवं छोटे भाई के साथ अपने गृह ग्राम पहुंचकर कुल पूज्य देवी मां शक्ति के चरणों में धन्यवाद अर्पित करते हुए कहा कि मां शक्ति के आशीर्वाद एवं कुल के पूर्वजों की असीम कृपा से ही सभी धामों की यात्रा बहुत ही अच्छी तरीके से संपन्न हुई। चारों धाम यात्रा के संपन्न होने के पश्चात 2 जून को भव्य रूप से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, इसकी भी जानकारी लोक जनशक्ति पार्टी (रा.) कोरबा जिलाध्यक्ष राजकुमार दुबे ने दिया एवं सभी परिवार, रिश्तेदार, दोस्त यार एवं समस्त सनातन धर्म के अनुयायियों को विशाल भोग भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील की एवं हाथ जोड़कर निवेदन भी किया है। यह भंडारा दुबे जी के गृह जिला सुल्तानपुर में स्थित उनके गृह ग्राम में संपन्न होगा।

एक नजर

एटीएम ब्लॉकर गैंग का भंडाफोड़, उत्तर प्रदेश के दो आरोपी गिरफ्तार

राजपूत रणजीत/गुजरातः मेहसाना बी-डिवीजन पुलिस ने मोढेरा चौकड़ी इलाके में एटीएम में प्लास्टिक के 'ब्लॉकर' लगाकर ग्राहकों से पैसे चुराने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश से गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच के दौरान, आरोपियों से नकदी, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, प्लास्टिक ब्लॉकर प्लेट और एक्टिवा सहित कुल 58 हजार रुपये से अधिक मूल्य की कीमती वस्तुएं जब्त की गई हैं।

पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया है कि प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, आरोपी ने मेहसाना, छत्राल और चांदखेड़ा क्षेत्रों में एटीएम चोरी के अपराध करने की बात कबूल की है। आरोपी एटीएम मशीन में एक विशेष प्लास्टिक ब्लॉकर प्लेट लगाकर ग्राहकों के लेनदेन के दौरान पैसे को रोक देता था और फिर पैसे चुरा लेता था। बी-डिवीजन पुलिस द्वारा पूरे मामले की आगे की जांच की गई है और यह पता लगाने के लिए भी जांच चल रही है कि क्या गिरोह में कोई और भी शामिल है।

राशमी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो इनामी बदमाश व एक स्थाई वारंटी गिरफ्तार

प्रकाश सिंह रावत/राजस्थानः चित्तौड़गढ़ जिले की राशमी थाना पुलिस ने वांछित अपराधियों की धरपकड़ के दौरान कार्यवाही करते हुए एक स्थाई वारंटी व दो इनामी अपराधियों का निस्तारण किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री मनीष त्रिपाठी ने बताया कि संगीन एवं गंभीर अपराधियों के विरुद्ध

चलाए जा रहे तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विशेष अभियान के तहत राशमी थाना पुलिस ने पांच हजार रुपये के ईनामी बदमाश बाबूलाल पुत्र सुखराम बिश्नोई निवासी ढाका की ढाणी थाना बिलाड़ा जिला जोधपुर एवं दो हजार रुपये के ईनामी बदमाश दिनेश पुत्र रतनलाल जाट निवासी लसाड़ियाकलां थाना राशमी जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है। वहीं आईजीपी रेंज उदयपुर के निर्देश पर चलाये जा रहे ऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2 के तहत स्थाई वारंटी राकेश पुत्र अमृतलाल गांधी निवासी भीमगढ़ थाना राशमी जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है। थाना राशमी पुलिस टीम द्वारा विशेष रणनीति, सतत निगरानी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान फरार एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु लगातार दबिश दी जा रही है।

थाने पहुंचे एसपी, रिकॉर्ड से लेकर सुरक्षा व्यवस्थाओं तक की बारीकी से जांच

राधे श्याम गुर्जर/मध्य प्रदेशः खंडवा जिले के पुलिस अधीक्षक श्रीअगम जैन ने शनिवार को पुलिस थाना मूंदी का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना भवन, कार्यालय, हवालात, शस्त्रागार एवं विभिन्न शाखाओं का बारीकी से अवलोकन किया। साथ ही थाना में संधारित किए जा रहे रिकॉर्ड एवं दस्तावेजों की जांच

कर आवश्यक सुधार एवं सुव्यवस्थित रखरखाव के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर की साफ-सफाई, कानून व्यवस्था की स्थिति, लंबित अपराधों की समीक्षा एवं अपराध नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आमजन से बेहतर व्यवहार रखें तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने बलवा ड्रिल, शस्त्र संचालन एवं आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस की तत्परता को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही महिला संबंधी अपराधों, साइबर अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान थाना स्टाफ उपस्थित रहा।

नए किराना स्टोर का हुआ शुभारंभ

दूध-दही से लेकर होलसेल डिस्पोजल सामग्री तक मिलेगी एक ही छत के नीचे

सुथार विक्रमभाई हंसाजी

गुजरातः आरखी ग्राम आरखी में ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नए किराना स्टोर एवं पार्लर का शुभारंभ किया गया है। महाकाली मंदिर के पीछे, बस स्टैंड के समीप स्थित इस प्रतिष्ठान का संचालन सुथार विक्रम भाई हंसाजी एवं सुथार कुलदीप भाई द्वारा किया जा रहा है। इस नई शुरूआत से गांव के लोगों को अब दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुएं एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। प्रतिष्ठान संचालकों ने बताया कि यहां ग्राहकों के लिए दूध, दही, छाछ, आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक सहित विभिन्न खाद्य एवं पेय पदार्थों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा किराना से संबंधित सभी आवश्यक वस्तुएं जैसे दाल, चावल, तेल, साबुन, खांड, गोल तथा अन्य

घरेलू उपयोग की सामग्री भी उपलब्ध रहेगी। ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण सामान उचित दरों पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

स्टोर में प्लास्टिक के झाबले, डिस्पोजल डिश, गिलास एवं अन्य डिस्पोजल सामग्री भी होलसेल भाव में उपलब्ध कराई जा रही है। इससे आसपास के दुकानदारों एवं आयोजनों से जुड़े लोगों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है। संचालकों का कहना है कि ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में और भी वस्तुओं को शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिष्ठान संचालकों ने गांव के सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीणों के सहयोग और समर्थन से ही यह नया व्यापारिक प्रयास संभव हो पाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में यह प्रतिष्ठान गांव और आसपास के क्षेत्र के लोगों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इसके साथ ही संचालकों ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रमों, भजन संध्या, सामाजिक आयोजनों तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए साउंड सिस्टम एवं भजन आयोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति मोबाइल नंबर 9510302347 पर संपर्क कर सकते हैं। ग्रामीणों ने भी इस नई सुविधा का स्वागत करते हुए कहा कि गांव में इस प्रकार के बहुउद्देशीय प्रतिष्ठान के शुरू होने से लोगों को शहरों की ओर कम जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध हो सकेंगी।

सीएसईबी चौक पर अधूरा सिग्नल शेड बना हादसे का खतरा

अरसद अली

छत्तीसगढ़ः सबसे व्यस्त माने जाने वाले सीएसईबी चौक पर नगर निगम कोरबा द्वारा लगभग 32 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे। सिग्नल शेड का निर्माण अब लोगों की सुविधा से ज्यादा खतरे का कारण बनता नजर आ रहा है। यह शेड ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को तेज धूप व बारिश से राहत देने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार और लापरवाही ने आम नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। निर्माण स्थल पर ठेकेदार द्वारा करीब दो फीट गहरे गड्ढे खोदकर सरियों का कॉलम तैयार किया गया है, लेकिन महीनों से काम अधूरा छोड़ दिया गया है। सड़क के बीचोंबीच खुले गड्ढे और बाहर निकले नुकीले सरिए कभी भी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकते हैं। हालांकि आसपास चेतावनी टेप

लगाई गई है, लेकिन व्यस्त यातायात वाले इस चौक पर जरा सी चूक किसी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम प्रशासन और संबंधित अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या नगर निगम किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा? शहर के मुख्य चौक पर लंबे समय से अधूरा पड़ा निर्माण कार्य अब प्रशासनिक लापरवाही की तस्वीर पेश कर रहा है। नागरिकों ने जल्द निर्माण पूरा कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

फ्लाई ऐश डंपिंग से बढ़ा प्रदूषण, कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की दी गई चेतावनी

अरसद अली

छत्तीसगढ़ः पोड़ी-उपरोड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कोनकोना के आश्रित ग्राम घोघरा में चल रहा राखड़ (फ्लाई ऐश) पटिंग कार्य अब ग्रामीणों के लिए गंभीर मुसीबत बनता जा रहा है। गांववासियों ने आरोप लगाया है कि विवेक कंस्ट्रक्शन द्वारा बालको से लाई जा रही राखड़ को पूर्व की बंद पड़ी गिट्टी खदान में नियमों की अनदेखी करते हुए डंप और फैलाया जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में प्रदूषण का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि डंप की गई राखड़ पर पानी का छिड़काव तक नहीं किया जा रहा है। इसका असर हाल के दिनों में आए तेज

आंधी-तूफान और मौसम खराब होने के दौरान साफ देखने को मिला, जब राखड़ उड़कर सीधे लोगों के घरों तक पहुंच गई। गांववासियों के अनुसार हल्की हवा चलते ही घरों के भीतर राख की परत जम जाती है। यहां तक कि खाने-पीने की वस्तुओं में भी राख पहुंच रही है और लोगों को सांस लेने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के मुताबिक राखड़ की महीन धूल से बच्चों और बुजुर्गों में खांसी, आंखों में जलन और सांस संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। लोग दरवाजे और खिड़कियां बंद रखने को मजबूर हैं, बावजूद इसके राखड़ घरों के अंदर तक पहुंच रही है। इससे गांव का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों और निर्धारित पर्यावरणीय मानकों का पालन किए मनमाने तरीके से राखड़ पटिंग कराई जा रही है। न तो नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है और न ही धूल नियंत्रण के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था की गई है।

ग्रामीणों ने बताया कि जिस स्थान पर राखड़ डंप की जा रही है, उसके समीप निजी कृषि भूमि और तान नदी स्थित है। ऐसे में राखड़ खेतों और नदी तक पहुंच रही है, जिससे खेती और पर्यावरण दोनों पर खतरा मंडराने लगा है। किसानों और आदिवासी परिवारों में इसे लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है। गांववासियों का आरोप है कि मामले की शिकायत कई बार जनदर्शन और वर्तमान समाधान शिविर में की जा चुकी है। इसके अलावा पूर्व में पोड़ी-उपरोड़ा एसडीएम से भी शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। शिकायतकर्ता ग्रामीणों का कहना है कि कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति कर संबंधित विभाग ठेकेदार को खुला संरक्षण दे रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच कर संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही फ्लाई ऐश प्रबंधन के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि गांववासियों को इस समस्या से राहत मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे,

शिक्षा प्रोत्साहन हेतु वंश सुथार जागृति मंडल का पुस्तक किट वितरण कार्यक्रम हुआ आयोजित

अंकित कुमार सुथार

राजस्थान: शिक्षा के क्षेत्र में समाज के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से वंश सुथार जागृति मंडल द्वारा वर्ष 2026 का 5वा पुस्तक किट वितरण कार्यक्रम मंडार स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर परिसर में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के अग्रणी व्यक्तियों, वरिष्ठजनों, युवाओं, महिलाओं तथा बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान विश्वकर्मा के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने शिक्षा को समाज की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और संस्कारों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। पुस्तक किट वितरण कार्यक्रम के दौरान समाज के विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें आगामी शैक्षणिक सत्र में बेहतर शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही वह आधार है जो समाज को नई दिशा और नई पहचान प्रदान करता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति जागरूकता भी उत्पन्न करते हैं।

इस आयोजन की विशेषता यह रही कि समाज के अनेक भामाशाहों और दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग प्रदान किया। उनके आर्थिक एवं नैतिक सहयोग से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को पुस्तक किट वितरित की जा सकी। मंडल के पदाधिकारियों ने सभी सहयोगी भामाशाहों, समाज के अग्रणियों एवं उपस्थित समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की एकता और सहयोग भावना ही ऐसे सेवा कार्यों को सफल बनाती है।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित अभिभावकों ने भी वंश सुथार जागृति मंडल की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की। समाजहित और शिक्षा उन्नयन के लिए आयोजित यह पुस्तक किट वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता और एकजुटता का सकारात्मक संदेश देने में सफल रहा।

अकीदत और भाईचारे के साथ मनाई गई बकरीद, मस्जिदों में उमड़ी भीड़

जुगेश कुमार

उत्तर प्रदेश: दुद्धी सोनभद्र दुद्धी कस्बे में आज ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार बेहद अकीदत, शांति और हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया। इस मुबारक मौके पर क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों और ईदगाह में एकत्र होकर विशेष नमाज अदा की और मुल्क में अमन-चैन, तरक्की व खुशहाली की दुआएं मांगी। ?प्राप्त जानकारी के अनुसार, मखतब जब्बारीया ईदगाह में मुख्य नमाज अदा की गई, जहाँ हाफिज मसूद रजा कादरी साहब ने नमाज की इमामत की और खुतबा पढ़ा।

इसके साथ ही राजा जामा मस्जिद दुद्धी में भी अकीदतमंदों का भारी हुजूम उमड़ा, जहाँ हाफिज नजीरुल साहब ने नमाज मुकम्मल कराई।

नमाज के दौरान पूरी मस्जिद और ईदगाह परिसर नमाजियों से खचाखच भरा नजर आया। नमाज संपन्न होने के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी। त्योहार के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन की ओर से सुरक्षा और सफाई के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। एडिशनल एसपी ऋषभ रुणवाल क्षेत्राधिकारी,राजेश राय,दुद्धी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह, महिला थाना प्रभारी संतु सरोज फोर्स के साथ मौजूद रहे।

बंद दुकान के अंदर मिला व्यक्ति का शव, गर्मी से मौत की जताई गई आशंका

शुभम बंजारे

छत्तीसगढ़: धमतरी शहर के अंबेडकर चौक के पास गुरुवार दोपहर एक व्यक्ति बंद पड़ी फल दुकान के अंदर संदिग्ध अवस्था में मिला। घटना उस स्थान की है जहां से बालोद जाने वाली बसें खड़ी होती हैं। आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि संबंधित फल दुकान पिछले कुछ दिनों से बंद पड़ी थी। दोपहर करीब 12 बजे लोगों की नजर दुकान के अंदर सोए हुए एक व्यक्ति पर पड़ी, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अत्यधिक गर्मी और गला सूख जाने के कारण व्यक्ति की मौत हुई हो सकती है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है और प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

घटना की जानकारी अंबेडकर चौक सिग्नल पर ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक जवान को दी गई। ट्रैफिक जवान ने तुरंत वरदान परामर्श सेवा एम्बुलेंस समिति के सामाजिक कार्यकर्ता शिवा प्रधान को सूचना दी। सूचना मिलते ही शिवा प्रधान

मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस की सहायता से उक्त व्यक्ति को तत्काल जिला अस्पताल धमतरी पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक की पहचान और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय नागरिकों ने भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन से सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल और राहत व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

जनगणना-2027 कार्य में उत्कृष्ट प्रगणकों को डीएम ने किया सम्मानित

अभय

उत्तर प्रदेश: शाहजहांपुर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जनगणना-2027 के अंतर्गत 22 मई से 20 जून तक संचालित मकान गणना एवं मकान सूचीकरण अभियान के अंतर्गत शत-प्रतिशत एचएलबी कार्य पूर्ण वाले प्रगणकों को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनगणना कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लगभग 40 प्रगणकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों द्वारा सभी कार्मिकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा गया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाने में सभी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने बताया कि मकान गणना एवं मकान सूचीकरण का कार्य शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने

संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शेष कार्य भी पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी की अभिप्रेरणा, कुशल निर्देशन एवं सतत मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप स्वगणना अभियान में जनपद शाहजहांपुर ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद का गौरव बढ़ाया है। इसी क्रम में जनगणना 2027 के प्रथम चरण ह्लमकान गणनाह्व कार्य, जो दिनांक 22 मई से प्रारंभ हुआ है, में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों का जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। जिन प्रगणकों द्वारा अपने आवंटित क्षेत्र का 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया, उन्हें जिलाधिकारी ने अपने कर-कमलों द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। पूरे जनपद में सर्वप्रथम अनुराग यादव जी ने 100 से अधिक भवनों वाले ल्छइ का 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर उमेश कुमार तथा तृतीय स्थान पर राकेश बहनवाल रहे।

इस मौके पर जिला जनगणना अधिकारी/ अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने समस्त प्रगणकों का उत्साहवर्धन एवं मनोबल बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सभी प्रगणकों की मेहनत, निष्ठा एवं समयबद्ध कार्यशैली जनपद शाहजहांपुर को नई पहचान दिला रही है। उन्होंने सभी को आगामी चरणों में भी इसी ऊर्जा, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रगणक अनुराग यादव, उमेश कुमार, राकेश बहनवाल, संजीव राठौर, शिवेंद्र प्रताप सिंह, विकास शर्मा, सत्यान पाल सिंह, श्याम सिंह, राजपाल, अतुल कुशवाहा, परवीर कुमार, सुरेश कुमार, अहमद हसन रजा खान, मोहित वर्मा तथा जिला फील्ड ट्रेनर एवं टेक्निकल सहायक के रूप में अनुप बरनवाल एवं श्री मुकेश कुमार जी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त इस अवसर पर आदेश कुमारी, आयुषी दुबेदी, ऋचा सिंह, प्रिया रानी, आकांक्षा पांडे तथा पूनम रानी वर्मा भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान जनगणना कार्य को पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न कराने का संकल्प लिया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों की सराहना की गई।

एक नजर

आसीवन थाना परिसर में बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

सूरज कुमार/उत्तर प्रदेश: मियागंज उन्नाव जेठ माह के चौथे बड़े मंगल के पावन अवसर पर मंगलवार को आसीवन थाना परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह की अगुवाई में आयोजित भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। थाना परिसर स्थित हनुमान मंदिर में सुबह विधि-विधान से हनुमान जी का पूजन-अर्चन किया गया। पूजन के पश्चात भंडारे का शुभारंभ हुआ। दोपहर बाद शुरू हुआ भंडारा देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता रहेगा। भंडारे में आसपास के गांवों से आए बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से पुलिस के प्रति लोगों में विश्वास बढ़ता है। पूरे कार्यक्रम के दौरान पुलिस स्टाफ व्यवस्था संभालने में मुस्तैदी से जुटा रहा। इस मौके पर हिमांशु सिंह, विजय यादव, संदीप पटेल, रितेश पटेल, राजकुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मंगलवार विशाल भंडारे का हुआ आयोजन, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद

सूरज कुमार/उत्तर प्रदेश: उन्नाव के मियाँगंज चौराहे पर मंगलवार, 26 मई 2026 को एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन ललित गुप्ता द्वारा गुप्ता मार्केट, जिओ ऑफिस के सामने किया गया था। कार्यक्रम में सफीपुर विधायक बम्बालाल दिवाकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ सचिन सिंह, अभिषेक सिंह, प्रदुम सिंह शुक्ला सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। भंडारे के दौरान विधायक बम्बालाल दिवाकर ने उपस्थित लोगों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन भारतीय संस्कृति की पहचान हैं, जो समाज में आपसी भाईचारे और एकता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। आयोजक ललित गुप्ता ने बताया कि यह भंडारा हर वर्ष की तरह इस बार भी जनसहयोग से आयोजित किया गया है। उन्होंने क्षेत्रवासियों और व्यापारियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन देर शाम तक शांतिपूर्ण ढंग से चलता रहा और प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ।

डॉ. राजविंदर चौधरी बने उम्मीदों का नाम, 15000 से ज्यादा सर्जरी कर लोगों को दिया नया जीवन

अभिषेक/राजस्थान: Pink Star Hospital में कार्यरत वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. राजविंदर चौधरी अपनी मेहनत, अनुभव और समर्पण के चलते मरीजों के बीच विश्वास का मजबूत आधार बनते जा रहे हैं। अब तक 15000 से अधिक सफल सर्जरी कर चुके डॉ. चौधरी ने कई गंभीर मरीजों को नया जीवन दिया है। डॉ. राजविंदर चौधरी का मानना है कि हर मरीज की मुस्कान ही उनके लिए सबसे बड़ी सफलता है। वे कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, आत्मविश्वास और विशेषज्ञता के साथ मरीजों का इलाज करते हैं, जिससे उन्हें क्षेत्र में एक कुशल और भरोसेमंद चिकित्सक के रूप में पहचान मिली है। Pink Star Hospital आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और उन्नत तकनीकों के कारण लगातार लोगों के भरोसे का केंद्र बनता जा रहा है।

स्वर्गीय राजा प्रेमसिंह दत्तीगांव की स्मृति में गूंजा विराट कवि सम्मेलन

अशोक भंडारी

मध्य प्रदेश: राजगृह के न्यू बस स्टैंड पर स्वर्गीय राजा प्रेमसिंह दत्तीगांव की 24वीं पुण्यतिथि के अवसर पर अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। देर रात करीब 3 बजे तक चले इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के साहित्य प्रेमियों और रसिक श्रोताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वर्गीय राजा प्रेमसिंह दत्तीगांव के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर राजमाता कुसुम सिंह दत्तीगांव, पूर्व विधायक Rajvardhan Singh Dattigaon और पूर्व मंडी अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह दत्तीगांव विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में पूर्व विधायक राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने स्वर्गीय राजा साहब के व्यक्तित्व को याद करते हुए भावुक

और ओजपूर्ण पंक्तियां सुनाईं। उन्होंने कहा कि राजा साहब ने जीवनभर संघर्ष, सेवा और समर्पण की मिसाल कायम की। उनके शब्दों ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया और पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा।

कवि सम्मेलन में देशभर से आए कवियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से माहौल को यादगार बना दिया। इंदौर से आए प्रसिद्ध कवि Mukesh Molwa ने 'मैं संघ शताब्दी बोल रहा हूँ' कविता का पाठ किया। वहीं धार भोजशाला के संदर्भ में जब उन्होंने 'पूजा की थाल ले शुक्रवार आया' की पंक्तियां सुनाईं तो श्रोताओं ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। नाथद्वारा के हास्य कवि कानू पंडित ने ग्रामीण संस्कृति और गांवों की महत्ता पर अपनी रचनाओं से दर्शकों का दिल जीत लिया। कटनी की कवयित्री प्रियंका मिश्रा ने प्रेम और संवेदनाओं से भरी कविताओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। वहीं आगरा के प्रताप फौजदार और देवास के कुलदीप रंगीला ने हास्य-व्यंग्य की प्रस्तुतियों से लोगों को खूब हंसाया।

कवयित्री शशि श्रेया ने भावुक रचनाओं से खूब वाहवाही लूटी, जबकि सोशल मीडिया पर चर्चित कवि डॉ. आदित्य जैन ने 'मेलोनी और पीएम मोदी' से जुड़े वायरल मीम्स पर पैरोडी प्रस्तुत कर युवाओं को खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डूंगरपुर के कवि विपुल विद्रोही और निलेश शर्मा ने प्रभावशाली अंदाज में किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में आजाद भंडारी ने सभी अतिथियों, कवियों और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

बकरा ईद पर भाईचारे और सौहार्द का दिया संदेश, देशवासियों को दी शुभकामनाएं

अनिल

हरियाणा: बकरा ईद के पावन अवसर पर देश और प्रदेश के मुस्लिम समुदाय सहित समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और मानवता के संदेश को बढ़ावा देते हुए वक्ताओं ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां सभी धर्मों और समुदायों के लोग प्रेम और आपसी सम्मान के साथ मिलजुल कर त्योहार मनाते हैं। इस अवसर पर कहा गया कि ऐसे पर्व समाज में एकता, प्रेम और सद्भाव को मजबूत करते हैं। त्योहारों के माध्यम से विभिन्न धर्मों के लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं और देश की खुशहाली, विकास एवं सामाजिक समरसता के लिए मिलकर आगे बढ़ते हैं। वक्ताओं ने कहा कि भारत की यही गंगा-

जमुनी तहजीब देश को महान बनाती है। कार्यक्रम के दौरान 'जय भीम, जय संविधान' के नारों के साथ सामाजिक एकता और संविधान के मूल्यों को भी याद किया गया। लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और सभी समुदायों के सम्मान की भावना को मजबूत करने की अपील की गई। भारत निविदा लाइन समाचार पत्र की ओर से पत्रकार अनिल गहलोत, हांसी हरियाणा ने भी सभी देशवासियों को बकरा ईद की शुभकामनाएं देते हुए शांति, सौहार्द और खुशहाली की कामना की।

OPS से रतलाम संपत्ति विवाद तक, क्या प्रशासनिक अहंकार पर भारी पड़ पाएगा कानून

कमल पटनी

मध्य प्रदेश: देश में आज पुरानी पेंशन योजना डढर और नई पेंशन योजना ठढर को लेकर व्यापक बहस चल रही है। सरकारी कर्मचारी यह प्रश्न उठा रहे हैं कि यदि दशकों की सेवा के बाद भी उनकी सुनिश्चित पेंशन व्यवस्था बदली जा सकती है, तो क्या जनप्रतिनिधियों की पेंशन व्यवस्था पर भी समान सिद्धांत लागू नहीं होने चाहिए। इसी बहस के बीच रतलाम में रियासतकालीन निजी संपत्तियों और उनसे जुड़े प्रशासनिक विवादों ने एक और गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या प्रशासनिक तंत्र स्वयं को कानून, न्यायालय और ऐतिहासिक अभिलेखों से ऊपर मानने लगा है।

रतलाम के सुरजपोल, लोकेन्द्र भवन तथा अन्य रियासतकालीन संपत्तियों से जुड़े अनेक प्रकरण वर्षों से विवादों और मुकदमेबाजी में उलझे हुए हैं। कई मामलों में न्यायालयों द्वारा निजी स्वामित्व स्वीकार किया गया, प्रशासनिक अभिलेख उपलब्ध रहे, नगर निगम स्तर पर अनुमतियाँ जारी हुईं, नागरिकों ने वैध रूप से संपत्तियाँ खरीदीं, निर्माण किये और करों का भुगतान भी किया। इसके बावजूद समय-समय पर पुनः उन्हीं संपत्तियों को शासकीय बताने के प्रयास किये जाते रहे। यही स्थिति प्रशासनिक हठधर्मिता Administrative Arbitrariness का सबसे बड़ा उदाहरण मानी जा रही है।

एम. सी. सिंगला प्रकरण जैसे मामलों में भी यही मूल प्रश्न सामने आता है कि यदि न्यायालयों, अभिलेखों और पूर्व प्रशासनिक कार्यवाहियों में किसी संपत्ति के अधिकार स्पष्ट हो चुके हैं, तो फिर वर्षों बाद बार-बार विवाद उत्पन्न करने का औचित्य क्या है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि ऐसी प्रशासनिक कार्यवाहियों का आर्थिक भार अंतत जनता पर ही पड़ता है। आधारहीन अपीलें, अनावश्यक मुकदमे, वर्षों तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया, इन सबका खर्च सरकारी खजाने से होता है, और सरकारी खजाना वास्तव में जनता के टैक्स से चलता है।

यानी जनता का धन खर्च होता है, जनता का समय नष्ट होता है और अंतत पीड़ित भी वही नागरिक बनते हैं जिन्होंने वैध रूप से संपत्ति खरीदी होती है। ठीक इसी प्रकार डढर और ठढर की बहस में भी कर्मचारियों का मूल प्रश्न समानता और जवाबदेही का है। जब कर्मचारियों से कहा जाता है कि सरकार पर वित्तीय भार अधिक है, इसलिए डढर समाप्त करनी पड़ी, तब जनता यह भी पूछ रही है कि क्या यही वित्तीय अनुशासन नेताओं और विशेषाधिकार प्राप्त वर्गों पर भी लागू होगा।

क्या प्रशासनिक गलतियों और हठधर्मिता का आर्थिक भार कभी अधिकारियों से वसूला जाएगा। क्या जनता का पैसा अंतहीन मुकदमेबाजी और प्रशासनिक जिद में खर्च होता रहेगा। लोकतंत्र में प्रशासन का कार्य नागरिकों को सुविधा और न्याय देना है, न कि उन्हें वर्षों तक विवादों में उलझाना।

यदि न्यायालयों के आदेशों की अनदेखी हो, पूर्व रिकॉर्ड के विपरीत कार्यवाही हो,

एक विभाग अनुमति दे और दूसरा उसी को अवैध बताये, तथा गलत निर्णयों के बावजूद अधिकारियों की कोई व्यक्तिगत जवाबदेही तय न हो, तो जनता के मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ना स्वाभाविक है। रतलाम की रियासतकालीन संपत्तियों से जुड़े विवाद आज केवल भूमि विवाद नहीं रह गये हैं। वे इस बात की परीक्षा बन चुके हैं कि क्या लोकतांत्रिक शासन वास्तव में फ्र४ी ड्ढा छंद्द अर्थात विधि शासन पर चलता है, या फिर प्रशासनिक शक्ति और हठधर्मिता पर। आज आवश्यकता केवल न्यायालयीन निर्णयों की नहीं, बल्कि प्रशासनिक उत्तरदायित्व की भी है।

समय आ गया है कि न्यायालयीन आदेशों का वास्तविक सम्मान सुनिश्चित हो, प्रशासनिक विरोधाभासों की जवाबदेही तय हो, आधारहीन मुकदमों और अपीलों पर नियंत्रण हो, तथा सार्वजनिक धन की बबार्दी करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आर्थिक उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाये। लोकतंत्र में कानून सर्वोच्च होना चाहिए, न कि प्रशासनिक अहंकार और जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक चाहे डढर का प्रश्न हो या रतलाम की रियासतकालीन संपत्तियों का जनता के मन में असंतोष और अविश्वास बढ़ता ही रहेगा।

सम्पादकीय

मंत्रियों से चैपाल तक मोदी की अपील

अमेरिका और इजरायल के सैन्य अधिकारी ईरान पर हमले की टारगेट लिस्ट बना रहे हैं। इस प्रकार युद्ध विराम की घोषणा के बाद स्ट्रेट आप होर्मुज के निर्वाध परिवहन पर आशंका की काली घटाएं घिर गयी हैं। लगभग दो महीने पहले अमेरिका ने जब ईरान पर हमला किया था तभी से दुनिया भर में तेल और गैस संकट की शुरूआत हो गयी थी। दुनिया भर में तेल-गैस की राशनिंग के साथ तरह-तरह के प्रतिबंध लगाये गये लेकिन मोदी सरकार ने इस संकट की आंच दो महीने तक जनता तक बिल्कुल नहीं पहुंचने दी। सरकार की अर्थ व्यवस्था अब अतिरिक्त प्रयासों की मांग कर रही है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जनता से 10 मई को एक भावुक अपील की थी। इस अपील का प्रभाव मंत्रियों से गांव की चैपालों तक देखा जा रहा है। तेल की बचत करने के लिए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के सुरक्षा काफिले में वाहन आधे कर दिये गये। कुछ मंत्री तो साइकिल से सचिवालय आते दिखे, वहीं पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए अब गांव-गांव ग्रीन चैपालें लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले में 899 ग्राम पंचायतों में 14 मई को एक साथ ग्रीन चैपालें लगाई गयीं। इन चैपालों में लोगों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग करने पौधारोपण व जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 10 मई को जनता से जो अपील की है, उसे सामयिक, दूरदर्शी और राष्ट्रहित में माना जाना चाहिए। यह संकट लगभग 11 सप्ताह पूर्व 28 फरवरी से उस समय और गहरा हो गया जब ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका कूद पड़ा और ईरान ने दुनिया के सबसे व्यस्त ईंधन मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया। भारत ने ईरान से भी मधुर संबंध बनाए रखे और अमेरिका से भी मित्रता कायम रखी। इससे भारत ने एक तरफ रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदा, दूसरी तरफ भारत के तेल और गैस से भरे जहाज होर्मुज के रास्ते ही भारत पहुंच गये। इस बीच ऊर्जा संकट से पूरी दुनिया त्राहि-त्राहि करने लगी और इसकी आंच भारत तक भी पहुंची। मोदी सरकार ने इस अभूतपूर्व ऊर्जा संकट में देश की जनता को संकट का सामना नहीं करने दिया। पूरी दुनिया में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतें आसमान पर पहुंच गयीं लेकिन भारत में चूल्हे भी जलते रहे और वाहन भी चलते रहे। हाँ, तेल और गैस के भंडार अब कम हो रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जागरूक जनता से बहुत सामान्य सहयोग मांगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और महंगे ईंधन के बीच देशहित में एक अहम अपील की है। उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक साल तक सोना न खरीदने, खाने के तेल की खपत कम करने, अनावश्यक वाहन उपयोग घटाकर कारपूलिंग करने और विदेश यात्राएं टालने का आग्रह किया है।

तंदूर सी तपिश से झुलस रहे हैं भारत के 70 शहर

मनोज कुमार अग्रवाल

> जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है।

दुनिया के सबसे अधिक तापमान वाले शहरों में सत्तर शहर भारत के वरियता बनाए हैं। आधे से ज्यादा हिन्दुस्तान तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, यूपी के बांदा में अधिकतम तापमान 48.2त्तक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि प्रयागराज वाराणसी मिजार्पुर भी आग उगल रहे हैं उधर महाराष्ट्र के वर्धा में भी पारा 47.1त के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। बांदा और वर्धा क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1त तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव काा तापमान रिकार्ड बना चुका है। तेलंगाना के हैदराबाद करीमनगर खममन की दिनों से हीटबेव में जल रहे हैं मध्यप्रदेश के खजुराहो नौगांव टीकमगढ़ छतरपुर पन्ना सतना सभी का तापमान 45 के पार जा रहा है बिहार के 13 और हरियाणा के 11 जिले भी 42-45 तापमान में झुलस रहें हैं। देश भर में मौजूदा हीटबेव में उत्तर प्रदेश में वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और हीटवेव (लू) के कारण गैर आधिकारिक आंकड़ा 150 लोगों की जान जा चुकी है । हालांकि, हाल ही में राज्य में आए भीषण आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने जैसी मौसम की चरम घटनाओं के कारण 111 लोगों की जान जाने की पुष्टि हुई है।हीटवेव के प्रकोप के कारण आंध्र प्रदेश में 21 और तेलंगाना में 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है देश में करीब तीन सौ लोगों की जान लू भीषण गर्मी ले चुकी है हालांकि अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरूआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकती है। सबसे अधिक खतरा नवजात शिशुओं, बच्चों, बुजुगों, गर्भवती महिलाओं, क्रोनिक बीमार लोगों, कामगारों , किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं।

स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्त्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और पलाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से दो जून तक नौतपा शुरू हो गया है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है।

जंगलों के प्रहरी पक्षी

कांतिलाल मांडोत

- हॉर्नबिल से कठफोड़वा तक, प्रकृति के ये मौन रक्षक बीज फैलाकर, कीटों को खत्म कर और हरियाली बचाकर पर्यावरण को नया जीवन दे रहे हैं

- पश्चिमी घाट से गांधीसागर अभयारण्य तक पक्षियों की यह अनोखी भूमिका बता रही है कि जैव विविधता ही धरती की असली सुरक्षा कवच है

धरती पर जीवन का आधार केवल मनुष्य नहीं, बल्कि प्रकृति का पूरा तंत्र है। जंगल, नदियां, पर्वत, पेड़-पौधे और जीव-जंतु मिलकर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते हैं। इस विशाल प्राकृतिक व्यवस्था में पक्षियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। छोटे से दिखने वाले ये जीव न केवल वातावरण को सुंदर बनाते हैं, बल्कि जंगलों को जीवित रखने में भी बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं। आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई और बढ़ते प्रदूषण जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब कई पक्षी प्रकृति के मौन प्रहरी बनकर पर्यावरण को बचाने का काम कर रहे हैं। भारत के पश्चिमी घाट से लेकर मध्य प्रदेश के गांधीसागर अभयारण्य तक ऐसी कई मिसालें सामने आ रही हैं, जहां पक्षी जंगलों को फिर से हरा-भरा बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

पश्चिमी घाट में इंडियन हॉर्नबिल को आज ह्वजंगलों का किसानह्व कहा जा रहा है। इसकी वजह है इसकी अनोखी आदत। हॉर्नबिल स्थानीय फलों को खाता है और उनके बीज दूर-दूर तक फैला देता है। ये बीज घने जंगलों के भीतर गिरकर नए पौधों का रूप लेते हैं। इस तरह यह पक्षी प्राकृतिक तरीके से जंगलों का विस्तार करता है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हॉर्नबिल न हों, तो पश्चिमी घाट की कई दुर्लभ वनस्पतियां धीरे-धीरे समाप्त हो सकती हैं। यही कारण है कि कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में पर्यावरण प्रेमियों ने हॉर्नबिल के पसंदीदा पेड़ों के बगीचे तैयार करने शुरू कर दिए हैं।

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के मनोहर उपाध्याय जैसे लोग बरगद, पीपल, जामुन, आम और महुआ जैसे स्थानीय पेड़ों को बड़े पैमाने पर लगा रहे हैं। इन पेड़ों पर फल लगते हैं, जिन्हें हॉर्नबिल बड़े चाव से खाते हैं। इसके बाद यह पक्षी जंगलों के भीतर उड़ते हुए बीजों को नई जगहों तक पहुंचा देता है। प्रकृति के इस चक्र से बिना किसी कृत्रिम प्रयास के जंगलों में नए पौधे उगने लगते हैं। यही कारण है कि पश्चिमी घाट के कई क्षेत्रों में फिर से हरियाली लौटती दिखाई दे रही है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि हॉर्नबिल केवल बीज फैलाने का काम नहीं करता, बल्कि वह जंगलों की जैव विविधता को भी मजबूत बनाता है। जब नए पेड़ उगते हैं, तो वहां छोटे जीव-जंतु, कीट, तितलियां और दूसरे पक्षी भी लौटने लगते हैं। इससे पूरा पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होता है। पश्चिमी घाट जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में यह प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहां रहने वाले लोग भी अब समझने लगे हैं कि यदि पक्षियों को सुरक्षित रखा जाए, तो जंगल खुद को दोबारा जीवित कर सकते हैं।

इसी तरह मध्य प्रदेश के गांधीसागर अभयारण्य में कठफोड़वा और अन्य कीटभक्षी पक्षी जंगलों को बीमार होने से बचा रहे हैं। पेड़ों की सबसे बड़ी समस्या लकड़ी को नुकसान पहुंचाने वाले कीट होते हैं। दीमक, लकड़ी भेदक भृंग और छाल के भीतर रहने वाले कई छोटे कीड़े धीरे-धीरे पेड़ों को खोखला कर देते हैं। बाहर से हरे दिखाई देने वाले पेड़ अंदर से कमजोर हो जाते हैं और कुछ समय बाद सूखने लगते हैं। ऐसे में कठफोड़वा प्रकृति के डॉक्टर की तरह काम करता है।

कठफोड़वा अपनी मजबूत चोंच से पेड़ों के तनों पर लगातार चोट करता है। वह छाल के भीतर छिपे कीड़ों को पहचान लेता है और उन्हें निकालकर खा जाता है। इससे पेड़ सुरक्षित बने रहते हैं। गांधीसागर अभयारण्य में पाए जाने वाले ब्लैक-रम्प्ड फ्लेमबैक यानी सुनहरे कठफोड़वा की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वन अधिकारियों के अनुसार, यह पक्षी लाखों पेड़ों को दीमक और हानिकारक कीड़ों से बचा रहा है।

पर्यावरण विशेषज्ञ बताते हैं कि एक विकसित पेड़ सालभर में लगभग 118 किलो ऑक्सीजन छोड़ता है। गांधीसागर अभयारण्य के लगभग डेढ़ करोड़ पेड़ हर वर्ष करोड़ों किलो ऑक्सीजन वातावरण में छोड़ते हैं, जो लाखों लोगों की जरूरत पूरी करने में सक्षम है। यदि ये पेड़ कीड़ों की वजह से नष्ट होने लगें, तो पर्यावरण संतुलन पर गंभीर असर पड़ सकता है। ऐसे में कठफोड़वा जैसे पक्षी अप्रत्यक्ष रूप से मानव जीवन की भी रक्षा कर रहे हैं।

सिर्फ कठफोड़वा ही नहीं, बल्कि कई अन्य छोटे पक्षी भी जंगलों को स्वस्थ बनाए रखने में योगदान दे रहे हैं। ट्रीक्रीपर पेड़ों की छाल में छिपे छोटे कीड़े खोजकर खाते हैं। वार्बलर पत्तियों पर लगे कीड़ों को खत्म करते हैं। टिट और छोटी चिड़ियां टहनियों पर मौजूद कीटों को खाकर पेड़ों को सुरक्षित रखती हैं। कुछ पक्षी हवा में उड़ते कीड़ों को पकड़ लेते हैं, जिससे कीटों की संख्या नियंत्रित रहती है। प्रकृति ने हर पक्षी को एक विशेष भूमिका दी है और सभी मिलकर जंगलों की रक्षा करते हैं।

अपनी जिंदगी तक दांव पर लगा देते हैं बाल श्रमिक

मुकेश तिवारी

बाल श्रमिक किसी भी मुल्क के लिए अभिशाप कहे जा सकते हैं, कयोकि इससे न केवल बाल श्रमिकों का मानसिक, शारीरिक विकास बाधित होता है, बल्कि उस मुल्क की समूची प्रगति भी एकांगी हो जाती है। सिर्फ कानूनी प्रावधानों से इस सामाजिक समस्या से मुख नहीं मोड़ा जा सकता, कयोकि यह अपने आप में कोई पृथक मसला नहीं, अन्य समस्याओं से उत्पन्न हुई समस्या है।

उन बाल श्रमिकों के हिस्से में सूरज की रोशनी नहीं है। उनके दिन भी रातों की तरह स्याह है। वे बंद जगह में 15-16 घन्टे काम करते हैं और फिर उन्हीं अधेरी कोठरियों में सो जाते हैं। खाने को उन्हें सिर्फ सूखी रोटी और वासी साग मिलता है। पेड, पौधे, तितलियों से भी उन्हें कोई वास्ता नहीं है । उनका वास्ता तो उस मालिक से जिसके जहाँ वे काम करते हैं। राक्षसों की तरह क्रूर मालिक जो इन्हें मारता पीटता है और सिगरेट तक से दाग देता है। बाल श्रमिकों के दिलों दिमाग पर मलिक का खौफ हमेशा बना रहता है।

जिस उम्र में बच्चे किस्से कहानियाँ सुनते हैं बाल श्रमिकों को मलिक की गालियाँ सुनने पडती है। इनकी सूनी आंखे और सहमें चेहरे देखकर ही आभास हो जाता है कि इनका जीवन कितना कठोर है। इनके हिस्से में स्कूल, स्लेट, कलम, किताबे, लाडदुलार, खेलकूद कुछ नहीं है, इनका जीवन तो निरंतर काम, मलिक की गालियाँ और पिटाई खाना ही है।

5-8 साल की उम्र से लेकर 14-15 साल तक की उम्र के बच्चे निर्धन होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। इन्हें दलाल दूरदराज के गावों से सब्जबाग दिखाकर कारखानों तक ले आते हैं। कई जगह माता पिता द्वारा लिया कर्जा चुकाने के लिए बच्चे श्रमिक बनते हैं। बच्चे अपरहण करके भी लाये जाते हैं। बच्चो के काम करे बिना निर्धन परिवारों की जीविका नहीं चलती।

5 साल के होते ही बच्चे पैसा कमाने के घर से बाहर निकल पडते है। कयोकि गाँव में इनके लिए_ रोजगार उपलब्ध नहीं है, घरेलू और कुटीर उधोग बंद हो ग ए है। कमोबेश ऐसी स्थिति में बच्चों के सामने अमानवीय स्थिति में काम करने के अतिरिक्त कोई रास्ता ही नहीं शेष रह जाता।

गाँव से हर साल हजारों बेरोजगार बच्चे काम की तलाश में निकलते हैं। आजादी के पश्चात हमने जिस तरह की विकास नीति अपनाई है उसने गाँव के आथिर्क समाजिक ढाचे को तहस नहस करके रख दिया है। बड़ी बड़ी परियोजनाओं के नाम पर काफी बड़ी संख्या में लोग विस्थापित किए गए। इनमें से काफी लोग ऐसे है जिन्हें न तो मुआवजा मिला, न ही जमीन। परिवार के परिवार मजदूरी करने पर मजबूर हो गए। जहाँ पर्यावरण का अधिक विनाश हुआ है, वहां बाल श्रमिकों की संख्या भी बढी है।

दूसरी तरफ जिन क्षेत्रों में पर्यावरण विनाश कम हुआ है वहां बाल श्रमिक भी कम है।

उत्तर प्रदेश में बाल श्रमिक कुल श्रम शक्ति के पांच प्रतिशत से भी कम है। लेकिन टिहरी में यह आंकड़े 10--10 प्रतिशत है। तमिलनाडु के उत्तरी अरकाट क्षेत्र का भी यही हाल है। अम्बेडकर जिले में कुछेक साल पहले कुल श्रम शक्ति में 10 प्रतिशत श्रमिक थे, भदोही मिजापुर के कालीन उद्योग में पलामू के बाल श्रमिक सबसे ज्यादा हैं। पलामू और मध्य प्रदेश के सरगुजा में जंगल और जमीन का काफी विनाश हुआ है। इससे पारम्परिक रोजगार नष्ट हो गए और परिवारों को काम की तलाश में गाँव से बाहर निकलना पडा।

राजस्थान के सिरोही जिले में भी स्थिति काफी गंभीर है। यहाँ भी वन विनाश से बच्चे पलायन को विवश हुए हैं। यहाँ की कुल श्रम शक्ति में बाल श्रमिक 6.17 प्रतिशत है, जो व्यापक वन विनाश से 9.5 प्रतिशत हो गए हैं। कमोबेश यही स्थिति बनासकांठा (गुजरात) यवतमाल (महाराष्ट्र) गुजाम(उडीसा)

तथा कुडप्पा(आंध्रप्रदेश) आदि की भी है। हालांकि बाल श्रमिकों की संख्या का कोई प्रामाणिक आंकडा उपलब्ध नहीं है। शासकीय हिसाब से हमारे मुल्क में तकरीबन 1 करोड़ 90 लाख 75 हजार बाल श्रमिक है। लेकिन गैर सरकारी सूत्र यह संख्या 4 से 10 करोड़ के बीच होने का अनुमान लगाते हैं। राजधानी दिल्ली का श्रमायुक्त कार्यलय दिल्ली में 90 हजार बाल श्रमिक होने की बात कहता है। मगर दिल्ली में तकरीबन 4 लाख से ज्यादा बाल श्रमिक होने का अनुमान है। इनमें से दो तिहाई बच्चे विस्थापित परिवारों से आज है। ये बाल श्रमिक कई तरह के कामों में खपत है। इन्हें चाय की दुकानों, ढाबों, स्कूटर व कार मरम्मत की दुकानों, निर्माण कायों में मजदूरी करते देखा जा सकता है। इनकी बड़ी संख्या घरेलू नौकरों के रूप में भी महानगरों में खप जाती है। कई बच्चे रेल गाडियों, बसों में गा बजाकर अपनी जीविका चलाते हैं, उनमें से कई बूट पोलिश, कचरा बीनने अखबार बेचने या कारों के शीशे साफ करने में जुटे रहते हैं। कुछेक बच्चे तो भीख मांग कर अपना और अपने परिवार का भरणपोषण करते हैं।

बाल श्रमिक काफी बड़ी संख्या दियासलाई, आतिशबाजी, रत्न पालिश, बीड़ी, कांच, हस्त शिल्प पावर लूम, नारियल रेशा, सिल्क बुनाई कढ़ाई, स्लेट पेसिल,बाल वेश्यावृत्ति ,पत्थर खुदाई, पौधरोपण और उनकी देखभाल में लगे हुए हैं।

सबसे अधिक बाल श्रमिक उत्तर प्रदेश में है। इसके पश्चात आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, जम्मू, कश्मीर, कनाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी बाल श्रमिक अधिक संख्या में है। इनमें से अधिकांश बाल श्रमिक के पास रहने को ढोर नहीं है। वे काम के दौरान बाल श्रमिकोफुटपाथ, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर सोते है। बाल श्रमिक जहाँ काम करते हैं रात होने पर वही सो जाते हैं। फुटपाथ, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर बाल श्रमिकों को पुलिस व स्थानीय दादा लोगों के अत्याचार भी सहने पढते है। बाल श्रमिकों की एक अन्य श्रेणी भी है, जो ज्यादा खतरनाक है। जरुरतमंद बच्चे कुछ ऐसे उधोग में भी काम करने को मजबूर है, जहाँ इन्हें बीमारी और मौत का सामना करना पड़ता है। ऐसे खतरनाक उधोग में काम करने वाले बाल श्रमिकों की संख्या 40 लाख के आसपास है।

काम के दौरान बाल श्रमिक तमाम तरह की बीमारियों की गिरफत में आ जाते हैं। लगातार घंटो काम करते रहने से कई तरह की शारीरिक मानसिक समस्याएं उत्पन्न हो जाती है । समय पर पर्याप्त भोजन न मिलने से वे कुपोषण तक के शिकार हो जाते हैं।

बाल श्रमिक कैसे अपनी जिंदगी दांव पर लगा कर काम करते हैं, इसके लिए इन उधोग पर नजर डालना काफी होगा, फिरोजाबाद के चूड़ी उधोग में बाल श्रमिक आठ वर्ग मीटर के उबलते कमरे में दहकती भटिठयों के सामने बैठकर काम करते हैं। ये चूडियों का गर्म सिरा नंगे हाथों से जोड़कर चूड़ी बनाते हैं। स्लेट पेसिल उधोग मंदसौर में स्लेट पत्थरो के टूटने से

निकलकर उडने वाली धूल इनके फेफड़ों में भर जाती है और वे सिलिकोसिस जैसी जानलेवा बीमारी का शिकार हो जाते हैं।

आतिशबाजी और दियासलाई उधोग में काम करने वाले बाल श्रमिक के स्वास्थ्य पर भी काफी बुराअसर पड़ता है।

दूसरे उधोग की भी यही स्थिति है कालीन बनाने के काम में लगे बाल श्रमिक को सांस लेने में परेशानी, शरीर दर्द, जोडों में दर्द, नजर कमजोर होने जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है।

हालांकि कारखानो में बाल श्रमिक से काम कराने पर कानून रोक लगी हुई है, यह कानूनी रोक सिर्फ कागजों तक ही सिमित है।

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

ललित गर्ग

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं।

विकास की रफ्तार तेज, विधायक गौरव पारधी ने दी 65 लाख के विकास कार्यों की सौगात

अशोक महूले

मध्य प्रदेश: कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के तहत विधायक गौरव सिंह पारधी ने ग्राम पंचायत सिरपुर और बनेरा में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करना और स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

सिरपुर में गोदाम, सड़क और सामुदायिक कक्ष की सौगात

ग्राम पंचायत सिरपुर में करीब ?65.43 लाख की लागत के विकास कार्यों की शुरूआत की गई। इसमें किसानों और भंडारण की सुविधा के लिए ?52.32 लाख की लागत से बनने वाले 500 मी. टन क्षमता के गोदाम तथा ?11.11 लाख की लागत से बनने वाली सी.सी. रोड का भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही, जिला पंचायत सदस्य की मद से ग्रामीणों की सामाजिक गतिविधियों के लिए ?2 लाख की लागत से तैयार हुए सामुदायिक कक्ष का लोकार्पण भी संपन्न हुआ।

बनेरा में सी.सी. रोड का भूमिपूजन

सिरपुर के बाद विधायक बनेरा पहुँचे, जहाँ उन्होंने गाँव की आंतरिक सड़क को बेहतर बनाने के लिए राज्य वित्त आयोग से लगभग 12 लाख की सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क के बनने से बारिश के दिनों में ग्रामीणों को होने वाली आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी।

गाँवों का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता गौरव पारधी

इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सड़क, भंडारण और सामुदायिक अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि कटंगी विधानसभा के प्रत्येक गाँव तक मूलभूत सुविधाएं पहुँचाना और अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ सुनिश्चित करना ही उनका मुख्य संकल्प है।

युवा ऊर्जा से हो रहा विकास केशर बिसेन

कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती केशर बिसेन ने विधायक गौरव सिंह पारधी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विधायक अपनी युवा ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ क्षेत्र के विकास को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है।

ग्रामीणों ने जताया आभार

अनाज गोदाम, सी.सी. रोड और सामुदायिक भवन जैसी व्यावहारिक जरूरतें पूरी होने पर स्थानीय ग्रामीणों और वरिष्ठ जनों ने प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रामीणों ने गाँव में पहुँचने पर विधायक गौरव सिंह पारधी का आत्मीय स्वागत किया और क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समाधान करने के लिए विधायक एवं शासन के प्रति अपना आभार और धन्यवाद प्रकट किया। इस दौरान कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमती बबिता ओमप्रकाश वरकड़े, जनपद सदस्य सुखचंद पटले, मंडल अध्यक्ष सौरभ ठाकरे, ग्राम सिरपुर सरपंच मिताली प्रमोद खंडायत, बनेरा सरपंच भागचंद पटले सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

तब्दील सड़क से राहगीर परेशान, ग्रामीणों ने की जल्द मरम्मत की मांग

प्रवीण कुमार जैन

उत्तर प्रदेश: मड़ावरा से गिरार जाने वाली मुख्य सड़क की हालत बद से बदतर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खराब सड़क के चलते आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों में भय और नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

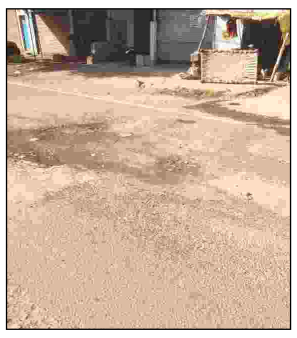

ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जिस पर प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। स्कूल जाने वाले छात्र, किसान, व्यापारी और मरीजों को इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। लेकिन सड़क की जर्जर हालत के कारण सफर जोखिम भरा बन गया है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और अधिक खराब हो जाती है, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार संबंधित विभाग और अधिकारियों से सड़क की मरम्मत की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन केवल आश्वासन देता है, जबकि समस्या जस की तस बनी हुई है।

फेक ऐप से फर्जी पेमेंट दिखाकर ठगी करने वाले 3 गिरफ्तार, ऐसे झांसे में आते थे दुकानदार

अभय

उत्तर प्रदेश: शाहजहांपुर डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बीच साइबर ठगी के नए-नए तरीके सामने आ रहे हैं। शाहजहांपुर पुलिस ने ऐसे ही एक गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है, जो एक फर्जी मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए दुकानदारों को नकली भुगतान दिखाकर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में दो सगे भाई भी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान आयुष गुप्ता, राज गुप्ता और अंशुल मिश्रा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों युवक बिना नंबर प्लेट वाली बाइक का इस्तेमाल करते थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो सके। हाल ही में शहर के एक रेडीमेड कपड़ा व्यापारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ युवकों ने उसकी दुकान से हजारों रुपये के कपड़े खरीदे और मोबाइल से भुगतान करने का दावा किया, लेकिन बाद में जांच में पता चला कि उसके खाते में कोई रकम नहीं पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे इंटरनेट से डाउनलोड किए गए एक फर्जी पेमेंट एप का उपयोग करते थे। यह एप वास्तविक डिजिटल भुगतान एप की तरह दिखाई देता था और भुगतान सफल होने का संदेश भी प्रदर्शित करता था। आरोपी दुकानदारों के सामने क्यूआर कोड स्कैन करते, राशि दर्ज करते और नकली ट्रांजेक्शन स्क्रीन दिखाकर विश्वास जीत लेते थे। हालांकि वास्तविकता में उनके खाते से कोई धनराशि नहीं कटती थी और न ही व्यापारी के खाते में कोई पैसा पहुंचता था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने कई अन्य स्थानों पर भी इसी तरीके से खरीदारी की थी। पुलिस को संदेह है कि इस गिरोह ने कई दुकानदारों को अपना शिकार बनाया है। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

डीएसपी ने दिव्यांग बच्चों संग मनाया जन्मदिन, दिया सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अशोक भंडारी

मध्य प्रदेश: भीनमाल मुकेश सोलंकी पुलिस की सख्त छवि से इतर एक बेहद संवेदनशील और मानवीय चेहरा उस वक्त देखने को मिला, जब भीनमाल पुलिस उप अधीक्षक डीएसपी शंकरलाल मंसूरिया ने अपना जन्मदिवस तामझाम और फिजूलखर्ची से दूर रहकर समाज के वंचित और दिव्यांग बच्चों के बीच मनाया। डीएसपी मंसूरिया ने स्थानीय अर्पण दिव्यांग सेवा संस्थान पहुंचकर विशेष बच्चों के संग समय बिताया, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे।

मिठाई खिलाकर बांटी खुशियां, बच्चों ने दिया दुआओं का उपहार

जन्मदिवस के इस सेवामयी कार्यक्रम के दौरान डीएसपी शंकरलाल मंसूरिया ने संस्थान के सभी दिव्यांग बच्चों को अपने हाथों से मिठाई खिलाई और सुरुचिपूर्ण भोजन प्रसादी वितरित की। पुलिस अधिकारी को अपने बेहद करीब और इतने दोस्ताना अंदाज में पाकर बच्चों का उत्साह चरम पर था। बच्चों ने भी तालियां बजाकर और अपनी मासूम मुस्कान के साथ डीएसपी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके सुखद भविष्य की कामना की। इस दौरान पूरा संस्थान सेवा भाव और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर नजर आया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश: मेघवाल छात्रावास में किया वृक्षारोपण

अपने जन्मदिवस को यादगार और समाज के लिए उपयोगी बनाने के संकल्प के साथ डीएसपी मंसूरिया इसके बाद स्थानीय मेघवाल छात्रावास पहुंचे। वहां उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया। उन्होंने उपस्थित युवाओं और नागरिकों से अपील की कि हर व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और पेड़ बनने तक उसकी देखभाल भी करनी चाहिए।

शहर के गणमान्य नागरिकों और व्यापारियों ने दी बधाई

इस अनूठी और प्रेरक पहल की सराहना करने के लिए शहर के कई प्रमुख व्यवसायी, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने डीएसपी मंसूरिया को साफा पहनाकर और मालाएं अर्पण कर जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस गरिमामयी अवसर पर संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष नरेश अग्रवाल, पूर्व खाद्य व्यापार संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश माहेश्वरी, प्रख्यात समाजसेवी गुमानमल सेठ, सुंधा माताजी माली समाज अध्यक्ष भंवरलाल माली, बाबूलाल माली, राकेश बिश्नोई, एडवोकेट दिनेश हिंगड़ा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी, प्रबुद्ध जन और छात्रावास के छात्र उपस्थित रहे। सभी ने पुलिस उप अधीक्षक के इस सेवा कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

दर्दनाक सड़क हादसा से हुई दो दोस्तों की मौत, क्षेत्र में शोक की लहर

राधे श्याम गुर्जर

मध्य प्रदेश: मूंदी थाना क्षेत्र के केनुद रोड पर सोमवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों युवक आपस में घनिष्ठ मित्र थे और सिंगाजी पावर प्लांट की एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। घटना के बाद उनके गृहग्राम मोहद और रणगांव सहित आसपास के क्षेत्रों में मातम का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा सोमवार रात करीब 10 बजे केनुद रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास हुआ। बताया जा रहा है कि दोनों युवक मोटरसाइकिल से केनुद की ओर से मूंदी आ रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान धर्मेंद्र पिता मुकेश (25 वर्ष), निवासी ग्राम मोहद तथा महेंद्र पिता बलराम सिंह (25 वर्ष), निवासी ग्राम रणगांव थाना जावर के रूप में हुई है। दोनों युवक अविवाहित थे और राजपूत समाज से संबंध रखते थे। घटना के बाद दोनों युवकों को तत्काल मूंदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन, ग्रामीण और परिचित अस्पताल पहुंच गए। मंगलवार सुबह भी अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ लगी रही। घटना की जानकारी मिलने पर निमाड़खेड़ी के पूर्व विधायक ठाकुर राजनारायण सिंह पुरनी भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। इधर, मूंदी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और जल्द ही हादसे के कारणों का पता लगाया जाएगा।

प्रीमियर लीग सीजन 1 का आगाज, पहले दिन से ही दिखा क्रिकेट का रोमांच

अशोक भंडारी

मध्य प्रदेश: राजगढ़ के युवाओं में खेल भावना और अनुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजगढ़ प्रीमियर लीग (RPL) सीजन वन का भव्य सोसाइटी ग्राउंड पर शानदार शुभारंभ हुआ। इस छह दिवसीय क्रिकेट महाकुंभ का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक प्रताप ग्रेवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस गरिमामयी समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश जायसवाल,नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपक जैन, द्वितीय पुरस्कार प्रायोजक मुकेश तूफान, आजाद भंडारी,अशोक भंडारी,राकेश राजावत,एमपीबीजेई पुष्पेंद्र साहू, सागर सीमेंट से देवेंद्र वागरेचा सहित नगर परिषद के सभी पार्षदगण और टूनार्मेंट समिति के समस्त सदस्य विशेष रूप से उपस्थित थे।

पूजा-अर्चना और राष्ट्रगान के साथ हुई शुरूआत

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि विधायक प्रताप ग्रेवाल द्वारा सर्वप्रथम भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और क्रिकेट क्रीज के विधि-विधान से भूमि पूजन के साथ हुई। इसके बाद मैदान पर मौजूद सभी खिलाड़ियों और अतिथियों ने राष्ट्रगान की धुन पर सम्मान प्रकट किया। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद विधायक ने पहले मैच का टॉस उछाला, जिसका भाग्य 'लाल दरवाजा लायंस' के पक्ष में रहा। टीम ने बिना देर किए पहले बल्लेबाजी करने का साहसिक निर्णय लिया, वहीं विपक्षी टीम 'फायदा मार्ट' को पहले गेंदबाजी के लिए मैदान पर उतरना पड़ा। इसी टॉस के साथ टूनार्मेंट के मैचों का विधिवत आगाज हो गया।

पहले ही दिन खेले गए पांच रोमांचक मुकाबले

आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में क्षेत्र की कुल 10 प्रमुख टीमें भाग ले रही हैं, जो अगले छह दिनों तक खिताबी जंग के लिए मैदान पर अपना दमखम दिखाएंगी। उद्घाटन दिवस पर ही दर्शकों को भरपूर रोमांच देखने को मिला और पहले दिन कुल पांच कड़े मुकाबले खेले गए, जिसने खेल प्रेमियों को बांधे रखा।

विजेता टीमों पर होगी आकर्षक पुरस्कारों की बौछार

छह दिनों तक चलने वाले इस खेल आयोजन को बेहद आकर्षक बनाया गया है, जिसके तहत विजेता टीम को ?51,000 की नकद इनामी राशि से नवाजा जाएगा। इसके साथ ही उपविजेता यानी द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को मुकेश तूफान की ओर से ?21,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। खेल भावना को सर्वोपरि रखने के लिए आयोजकों ने यह भी तय किया है कि पूरे टूनार्मेंट के दौरान सबसे अनुशासित प्रदर्शन करने वाली टीम को विशेष रूप से 'फेयर प्ले अवार्ड' दिया जाएगा।

राजगढ़ में जल्द शुरू होगा स्टेडियम का निर्माण विधायक ग्रेवाल

खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक प्रताप ग्रेवाल ने कहा कि इस प्रकार के क्रिकेट आयोजनों से युवाओं में न केवल अनुशासन और खेल भावना जागृत होती है, बल्कि सामाजिक एकता को भी जबरदस्त बढ़ावा मिलता है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए पूरी आयोजन समिति को बधाई दी और स्थानीय खिलाड़ियों को एक बड़ी सौगात देते हुए घोषणा की कि जल्द ही राजगढ़ में खेल स्टेडियम का निर्माण कार्य भी प्रारंभ कर दिया जाएगा।

एक नजर

पूर्व IPS हुए आजाद समाज पार्टी में शामिल, चंद्रशेखर आजाद ने दिलाई सदस्यता

घनश्याम दास/उत्तर प्रदेश: सहारनपुर में पूर्व एस पी आदित्य प्रकाश वर्मा ने रिटायरमेंट के बाद आजाद समाज पार्टी कांशीराम जॉइन कर ली है। दिल्ली में आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। आदित्य प्रकाश वर्मा का बैकग्राउंड- आई पी एस सेवा जिला सहारनपुर में एस पी रह चुके हैं। सेवा के दौरान सख्त, ईमानदार और कामकाजी अफसर के तौर पर उनकी पहचान रही। कानून-व्यवस्था को लेकर वो जीरो टॉलरेंस के लिए जाने जाते थे। जनता के बीच सीधे संवाद और त्वरित एक्शन के लिए मशहूर रहे। रिटायरमेंट के बाद सक्रिय रूप से राजनीति में एंट्री ली। आजाद समाज पार्टी के लिए क्यों अहम संगठन विस्तार- चंद्रशेखर आजाद लगातार यूपी के सभी 18 मंडलों में भाईचारा सम्मेलन कर रहे हैं। सहारनपुर मंडल में पहले ही सम्मेलन हो चुका है।प्रशासनिक अनुभव द्वारा आजाद समाज पार्टी खुद को बहुजन राजनीति के विकल्प के तौर पर पेश कर रही है। आदित्य प्रकाश जैसे पूर्व आई पी एस के पार्टी में आने से पार्टी को प्रशासनिक समझ और कानून-व्यवस्था पर विश्वसनीयता मिलेगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पकड़- सहारनपुर-मेरठ मंडल आजाद समाज पार्टी का फोकस एरिया है। जहां पर आजाद समाज पार्टी सदस्यता अभियान चला रही है। स्थानीय पूर्व ऑफिसर का जुड़ना कार्यकताओं को जोड़ने में मदद करेगा।

आंधी-तूफान से बिजली पोल गिरा, आपूर्ति ठप होने के कारण ग्रामीण हुए परेशान

अंकित कुमार/उत्तर प्रदेश: जमानियां क्षेत्र के गायघाट गांव में आज सुबह आए तेज आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मौसम के बदले मिजाज और तेज हवाओं के झोंके को न झेल पाने के कारण गांव में मुख्य लाइन का एक बिजली का खंभा पोल अचानक टूट कर गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय मौके पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। हालांकि, खंभा टूटने और तार क्षतिग्रस्त होने की वजह से पूरे गायघाट गांव और उसके आसपास के इलाकों की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है। ग्रामीणों में आक्रोश, उमस से बढ़ेगी परेशानी सुबह-सुबह हुए इस हादसे के बाद से ही गांव में ब्लैकआउट की स्थिति बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि बिजली न होने से पेयजल आपूर्ति से लेकर दैनिक कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं। यदि जल्द ही खंभे को ठीक नहीं किया गया, तो आने वाले घंटों में उमस और गर्मी के कारण लोगों की परेशानियां और ज्यादा बढ़ जाएंगी। बिजली विभाग को दी गई सूचना। ग्रामीणों के अनुसार घटना के तुरंत बाद ही बिजली विभाग के स्थानीय अधिकारियों और लाइनमैन को मामले की लिखित व मौखिक सूचना दे दी गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द नया खंभा लगवाकर बिजली आपूर्ति को बहाल किया जाए। समाचार लिखे जाने तक बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंचने और मरम्मत कार्य शुरू करने की तैयारी में जुटी थी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि तूफान के कारण हुए नुकसान का आकलन कर जल्द से जल्द बिजली व्यवस्था सुचारू कर दी जाएगी।

10 हजार के इनामी फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार, पुलिस की बड़ी कार्रवाई

प्रकाश सिंह रावत/राजस्थान: चित्तौड़गढ़ डीएसपी कार्यालय भदेसर की पुलिस टीम ने वर्ष 2023 के मारपीट प्रकरण में पिछले करीब तीन वर्षों से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज, उदयपुर गौरव श्रीवास्तव के निर्देशन में रेंज स्तर पर स्थायी वारंटियों, फरार एवं वांछित आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे ह्लऑपरेशन सुदर्शन चक्र-2ह्व के तहत यह कार्रवाई की गई। डीएसपी भदेसर विनोद कुमार के नेतृत्व में एएसआई पप्पु सिंह एवं कानि. पंकज कुमार की टीम ने थाना भदेसर में वर्ष 2023 में दर्ज मारपीट प्रकरण के वांछित आरोपी नारायण लाल नायक उर्फ छोटू (पिता भैरू लाल नायक, निवासी करेडिया, थाना भदेसर) को गिरफ्तार किया। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में मौजूद है, जिसके बाद टीम ने 26 मई 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें भदेसर थाने पर आर्म्स एक्ट, निंबाहेड़ा कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट तथा उदयपुर के सूरजपोल व मंदसौर कोतवाली में चोरी के प्रकरण शामिल हैं।

अहिरन नदी में सैकड़ों मछलियां मिलीं मृत , विस्फोटक से शिकार की जताई आशंका

अरसद अली/छत्तीसगढ़: कोरबा-पश्चिम विकास नगर क्षेत्र अंतर्गत आईबीपी प्लांट के नीचे बह रही अहिरन नदी में सैकड़ों मछलियां मृत पाई गई। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने देर रात नदी में बारूद और विस्फोटक डालकर मछलियां मारीं, जिससे पानी में केमिकल फैल गया और बड़े पैमाने पर मछलियों की मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि विस्फोटक के प्रयोग से नदी के पानी में ऑक्सीजन की मात्रा तेजी से घट गई, जिसके कारण मछलियां दम घुटने से मर गईं। बच्चे और कुछ ग्रामीण मरी हुई मछलियों को नदी से बीन-बीनकर घर ले जा रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

ग्रामीण पत्रकारों की एकजुटता, भारतीय ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने गठन का किया ऐलान

अंकित कुमार

उत्तर प्रदेशः गाजीपुर में ग्रामीण पत्रकारों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को जनपद के मिश्र बाजार स्थित जिला कार्यालय पर कमलेश कुमार पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। बैठक में जनपद की सभी तहसीलों से आए पत्रकारों ने ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों की समस्याओं एवं उनके सुख दुख तथा ग्रामीण पत्रकारों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले मसीहा स्व० बाबू बालेश्वर लाल जी की 39वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जनपद के सबसे वरिष्ठ पत्रकार विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकार अनेक समस्याओं से जूझ रहें हैं। लेकिन उनकी समस्याओं को सुनने और समाधान करने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकार बन्धु विषम परिस्थितियों में समाचार संकलन करते हैं। जिसकी पीड़ा वही समझ सकता है जो स्वयं ग्रामीण पत्रकारिता से जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई संगठन पत्रकार हितों की केवल बात करते हैं। लेकिन जरूरत पर मौन साध लेते हैं। ऐसा ही वर्तमान में 'ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन' भी है। इसलिए एक ऐसे संगठन की जरूरत है जो ग्रामीण पत्रकारों के सुख-दुख में साथ खड़ा रहें और उनके अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ें।

उन्होंने प्रस्ताव रखा कि यदि वर्तमान संगठन ग्रापए पत्रकार हितों पर ध्यान नहीं देता और हिटलरशाही रवैया अपनाता है, तो अब ग्रामीण पत्रकार बन्धु एक नया संगठन बनाकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे। इस प्रस्ताव का जनपद के सभी सात तहसीलों से आए पत्रकारों ने एक स्वर में हाथ उठाकर व ताली बजाकर समर्थन किया। जयदेश हिन्दी दैनिक समाचार पत्र गाजीपुर के ब्यूरो चीफ धर्मेंद्र कुमार मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारों को अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए स्वयं संघर्ष करना होगा। इसके अलावा आज हिन्दी दैनिक अखबार गाजीपुर के ब्यूरो चीफ अरुण कुमार तिवारी ने नये संगठन बनाने का पूरजोर समर्थन करते हुए कहा कि नये संगठन के सदस्यों का हमारे सौजन्य से पांच लाख का बीमा निःशुल्क कराया जायेगा। जो ग्रामीण पत्रकारों के परिजनों को सुख दुःख में एक आधार रहेगा।

इस बीमा में पत्रकार भाई को कोई शुल्क नहीं देना है। इसी क्रम में सदर गाजीपुर तहसील के तहसील अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय उर्फ राजू , जमानियां तहसील के तहसील अध्यक्ष विकास कुमार सिंह ,सैदपुर तहसील के तहसील अध्यक्ष प्रहलाद जायसवाल, मोहम्मदाबाद तहसील के तहसील अध्यक्ष रामबिलास पाण्डेय, सेवराई तहसील के तहसील अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह, जखनियां तहसील के तहसील अध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय एवं गयासुद्दीन एवं कासिमाबाद तहसील का प्रतिनिधित्व करते वरिष्ठ पत्रकार रामआधार मिश्रा सहित अन्य पत्रकारों ने भी अपने विचार रखते हुए नये संगठन बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए समर्थन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कमलेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करना सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई संगठन पत्रकारों के सम्मान के साथ खिलवाड़ करेगा तो उसे बर्दाशत नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सभी पत्रकार साथियों द्वारा दिखाई गई एकता के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार हितों की रक्षा के लिए वे सदैव कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने नये संगठन बनाने के संदर्भ में भारतीय ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का नाम सुझाया।जिसे सभी पत्रकारों ने करतल ध्वनि से समर्थन किया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस नये संगठन से जुड़े सभी सदस्यों का 5 लाख रुपये का बीमा कराया जाएगा, ताकि किसी आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके। जिसे आज अखबार के गाजीपुर ब्यूरो चीफ अरुण कुमार तिवारी ने स्वयं जिम्मेदारी लेते हुए सभी सदस्यों का 5 लाख रुपये का बीमा कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस बैठक में जनपद के सभी तहसीलों के तहसील अध्यक्षों सहित अरुण कुमार पाण्डेय,राजीव कुमार सिंह, मनोज सिंह, सुनील कुमार यादव, चंदन पाण्डेय,पीयूष सिंह मयंक , धर्मेन्द्र सिंह ,अभिषेक राय, जय प्रकाश, शुभम कुमार मोदनवाल, अंगद द्विवेदी, वरुण कुमार मिश्रा, ब्रह्म प्रकाश पाण्डेय , मोहम्मद गयासुद्दीन, उमेश सिंह यादव, अंकित कुमार , महिला पत्रकार आशा देवी आदि पत्रकार उपस्थित रहें।

सुरजपोल-लोकेन्द्र भवन विवाद, कोर्ट के फैसलों के बाद भी प्रशासनिक कार्रवाई पर उठे बड़े सव

कमल पटनी

मध्य प्रदेशः रतलाम के सुरजपोल एवं लोकेन्द्र भवन क्षेत्र से जुड़ा भूमि विवाद अब केवल एक स्थानीय राजस्व प्रकरण नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रश्न बन चुका है कि क्या प्रशासन स्वयं कानून और न्यायालयों से ऊपर कार्य कर सकता है। सूरज पोल रतलाम स्थित निजी भूमि को वर्ष 2004 में जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि घोषित किये जाने के बाद, कालान्तर में अनेक न्यायालयीन निर्णयों, अभिलेखों तथा प्रशासनिक कार्यवाहियों में उक्त भूमि को निजी स्वामित्व की भूमि मानते हुए व्यवहार किया गया। इतना ही नहीं, नगर निगम रतलाम द्वारा भवन निर्माण अनुमति जारी करना भी इस तथ्य का संकेत है कि प्रशासनिक स्तर पर भूमि के निजी स्वरूप को स्वीकार किया गया था। किन्तु आश्चर्यजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब वर्षों बाद पुन वही प्रशासनिक तंत्र उसी भूमि को शासकीय बताकर भूखण्ड धारकों को नोटिस, आपत्तियों और बाधात्मक कार्यवाहियों के माध्यम से परेशान करने लगता है।

यह स्थिति अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करती है, यदि न्यायालय भूमि को निजी मान चुके हैं, तो प्रशासन पुनः शासकीय कैसे मान सकता है। यदि भवन निर्माण अनुमति जारी की जा चुकी है, तो नागरिकों का दोष क्या है। क्या प्रशासनिक अधिकारी अपने ही विभागीय रिकॉर्ड से मुकर सकते हैं। क्या नागरिकों को हर कुछ वर्षों में पुन, अपने अधिकार सिद्ध करने के लिये न्यायालयों के चक्कर लगाना ही नियति बना दिया जाये? लोकतंत्र में प्रशासन जनता का सेवक होता है, स्वामी नहीं।

जिला प्रशासन को प्राप्त अधिकार संविधान और कानून से आते हैं। इसलिए प्रशासनिक आदेश तभी तक मान्य हैं जब तक वे न्यायालयीन निर्णयों एवं विधिक सिद्धांतों के अनुरूप हों। माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों के विपरीत जाकर यदि कोई अधिकारी पुनः उसी विषय को विवादित बनाता है, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि विधि शासन (Rule of Law) की भावना के विपरीत स्थिति है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नागरिक वर्षों तक कर देते हैं, भवन अनुमति लेते हैं, वैध दस्तावेजों के आधार पर निर्माण करते हैं, और बाद में वही प्रशासन उन्हें अवैध बताने लगता है। इससे आम जनता का शासन व्यवस्था पर विश्वास कमजोर होता है।

यदि सरकार का एक विभाग अनुमति दे और दूसरा विभाग उसी को अवैध बताये, तो अंततः नागरिक किस पर विश्वास करे। क्या प्रशासनिक विरोधाभास का भार केवल आम नागरिक ही उठायेगा। यह भी विचारणीय है कि यदि किसी अधिकारी द्वारा न्यायालयीन निर्णयों की अनदेखी कर नागरिकों को अनावश्यक मुकदमेबाजी में धकेला जाता है, तो उसकी व्यक्तिगत जवाबदेही क्यों तय नहीं होती। निजी व्यक्ति न्यायालय की अवमानना करे तो दण्ड का प्रावधान है, परन्तु प्रशासनिक स्तर पर गलत आदेशों और लापरवाही की जवाबदेही प्रायः धुंधली क्यों हो जाती है।

सुरजपोल एवं लोकेन्द्र भवन प्रकरण केवल भूमि विवाद नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही की परीक्षा है। यह प्रकरण बताता है कि नागरिकों को केवल न्यायालय से निर्णय प्राप्त करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उस निर्णय का प्रशासनिक सम्मान सुनिश्चित होना भी उतना ही आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि न्यायालयीन आदेशों का पूर्ण सम्मान हो, प्रशासनिक रिकॉर्ड में स्थायित्व और स्पष्टता हो, वर्षों पुराने विवादों को बार-बार जीवित कर नागरिकों को प्रताड़ित न किया जाये, तथा गलत एवं विरोधाभासी कार्यवाहियों के लिये जिम्मेदारी तय हो। लोकतंत्र में कानून सर्वोच्च है न कि कोई पद, कार्यालय या अधिकारी। जब प्रशासन स्वयं विधि शासन का सम्मान करेगा, तभी आम नागरिकों में कानून के प्रति विश्वास और अनुशासन मजबूत होगा।

ईद-उल-अजहा शांतिपूर्ण तरीके से हुआ संपन्न, पुलिस की सतर्कता का रहा प्रभाव

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर जनपद के देवबंद कोतवाली क्षेत्र में बृहस्पतिवार, 28 मई को ईद-उल-अजहा बकरीद की नमाज शांतिपूर्ण, सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा कर देश में अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगी। नमाज के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी देवबंद एवं अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा क्षेत्र के प्रमुख एवं संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। मौके पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे पूरे आयोजन पर सतत निगरानी रखी जा सके।

नमाज के दौरान एवं उसके पश्चात कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य रही और किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई। पुलिस प्रशासन द्वारा पर्व के दौरान लगातार गश्त और निगरानी जारी रखी गई। इसके साथ ही पुलिस द्वारा आमजन को जागरूक करते हुए अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें, सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

भीषण गर्मी में बिजली-पानी व्यवस्था को लेकर सरकार सख्त, पलामू में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः मेदिनीनगर भीषण गर्मी और लगातार बढ़ती बिजली-पानी की समस्या को लेकर झारखंड सरकार अब एक्शन मोड में नजर आ रही है। मंगलवार को पलामू समाहरणालय सभागार में राज्य के वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना एवं विकास तथा संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, विद्युत विभाग एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि पलामू राज्य का सबसे गर्म जिला है और ऐसी स्थिति में आम लोगों को निर्बाध बिजली एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौरान अनावश्यक बिजली कटौती किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान विद्युत विभाग के जीएम सह मुख्य अभियंता श्रवण कुमार ने जानकारी दी कि जिले में लगभग 250 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में केवल 186 मेगावाट बिजली की आपूर्ति हो रही है। इस प्रकार जिले में करीब 64 मेगावाट बिजली की कमी बनी हुई है। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताते हुए पीक आवर में बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा लोड प्रबंधन को मजबूत करने के निर्देश दिए। छतरपुर क्षेत्र की बिजली व्यवस्था की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि औद्योगिक इकाइयों को 12 मेगावाट और घरेलू उपभोक्ताओं को करीब 5 मेगावाट बिजली आपूर्ति की जा रही है। इस पर मंत्री ने कहा कि भीषण गर्मी में सबसे पहले आम लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता दी जाए और भविष्य की मांग को देखते हुए ट्रांसमिशन व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने खराब पड़े चापाकलों की जल्द मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पेयजल संकट अधिक है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके। मंत्री ने सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों, बाजारों और बस पड़ावों पर स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। इस पर उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन लगातार इस दिशा में कार्य कर रहा है।

बैठक में नए चापाकलों की स्थापना, जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति तथा खराब जलमीनारों के संचालन की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल की बदहाल व्यवस्था हुई उजागर, अस्पताल मिला खाली

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः छतरपुर पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। अस्पताल की अव्यवस्था और जिम्मेदारों की लापरवाही उस समय सामने आई, जब छतरपुर नगर पंचायत के उपाध्यक्ष मंजीत कुमार यादव एक गंभीर मरीज को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर वहां न कोई डॉक्टर मौजूद मिला और न ही कोई स्वास्थ्य कर्मी या जिम्मेदार कर्मचारी मरीजों की देखरेख के लिए उपलब्ध था। बताया जा रहा है कि मरीज की हालत गंभीर थी और उसे तत्काल इलाज की आवश्यकता थी, लेकिन अस्पताल की लचर व्यवस्था के कारण समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिल सकी।

नगर पंचायत उपाध्यक्ष मंजीत कुमार यादव ने आरोप लगाया कि अस्पताल के कई वार्ड खाली पड़े थे और ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी भी अनुपस्थित मिले। उन्होंने कहा कि अनुमंडलीय अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र में आपातकालीन स्थिति के दौरान डॉक्टरों और कर्मचारियों का नदारद रहना बेहद गंभीर मामला है। भीषण गर्मी के बीच अस्पताल में पंखे बंद मिलने से मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उमस और गर्मी से बेहाल कई लोग हाथ से पंखा झलते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में दवा, साफ-सफाई और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी भारी कमी है।

मंजीत कुमार यादव ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद लोग सरकारी अस्पताल पर भरोसा कर इलाज कराने आते हैं, लेकिन यहां की बदहाल व्यवस्था उन्हें निराश कर रही है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। घटना के बाद स्थानीय लोगों में अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक लापता, परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार

सूरज कुमार

उत्तर प्रदेशः मियागंज के उन्नाव में युवक लापता, परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार उन्नाव। जनपद के औरास थाना क्षेत्र से एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने थाना प्रभारी संजीव कुमार कुशवाहा को प्रार्थना पत्र देकर युवक की तलाश कराने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम उटरा इकौली थाना औरास, जनपद उन्नाव निवासी रामप्यारे का पुत्र धीरज कुमार बीते 24 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 10 बजे घर से निकला था, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी खोजबीन की और रिश्तेदारों व आसपास के इलाकों में भी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। परिजनों के अनुसार युवक का मानसिक संतुलन भी कुछ ठीक नहीं बताया जा रहा है, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई है।

हुलिया व पहनावाः धीरज कुमार का रंग सांवला है, लंबाई करीब 5 फीट 7 इंच है।

माँ शाकंभरी देवी क्षेत्र में तेज जलप्रवाह से हुआ हादसा, प्रशासन अलर्ट पर

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा माँ शाकंभरी देवी क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है। दिनांक 28/29.05.2026 की रात्रि को लगभग 12:00 बजे से 2:00 बजे के मध्य अचानक तेज जलप्रवाह आने की घटना में दो महिलाओं के बह जाने की सूचना प्राप्त हुई।पुलिस एंव प्रशासन की टीमों द्वारा तत्काल राहत एवं बचाव कार्य संचालित करते हुए दोनों महिलाओं के शव बरामद कर लिए गए हैं तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के दृष्टिगत पुलिस एवं प्रशासन पूर्व से ही पूर्ण सतर्कता के साथ क्षेत्र में तैनात था।

लगातार सार्वजनिक उद्घोषणाओं (PA System) के माध्यम से श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को सचेत किया जा रहा था तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों एवं धर्मशालाओं में स्थानांतरित किया गया था। एक महिला देर रात्रि किसी कारणवश धर्मशाला से बाहर निकल गईं और अचानक आए पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गईं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी दुखद मृत्यु हो गई। वर्तमान में मौसम विभाग एवं डिजास्टर मैनेजमेंट टीम से सतत समन्वय स्थापित किया गया है। संभावित मौसम अलर्ट को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक एहतियाती एवं प्रिवेंटिव कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन एंव पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता श्रद्धालुओं एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा किसी भी प्रकार की जनहानि को रोकना है।

आगामी वीकेंड तथा संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, संयुक्त ड्यूटियां तथा निर्धारित रडढ के अनुसार व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। अन्य जनपदों एवं राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं तक भी आवश्यक सूचनाएं पहुंचाई जा रही हैं। विभिन्न स्थानों पर लगाए गए पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार दिशा-निर्देश प्रसारित किए जा रहे हैं तथा श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की जा रही है। जिला प्रशासन सभी श्रद्धालुओं एवं नागरिकों से अपील करता है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, जलप्रवाह वाले क्षेत्रों से दूर रहें तथा किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग करें।

एक नजर

बकरीद से पहले हाई अलर्ट, पुलिस कप्तान ने ईदगाह का किया निरीक्षण

राकेश कुमार शर्मा/उत्तर प्रदेशः सहारनपुर में बकरीद के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इसी क्रम में पुलिस कप्तान अभिनंदन सिंह और जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने ईदगाह पहुंचकर व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया और मौके पर तैनात अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस कप्तान ने ईदगाह परिसर, आसपास के मार्गों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को पूरी सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना न हो। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने भी प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करते हुए साफ कहा कि त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी अपील की कि वे शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस फोर्स, पीएसी और निगरानी टीमों को लगाया गया है। लगातार पेट्रोलिंग और ड्रोन से निगरानी की व्यवस्था भी की गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। पुलिस कप्तान अभिनंदन सिंह स्वयं लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर रहे हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर सीधी नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है और जनता से सहयोग की अपेक्षा है ताकि बकरीद का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

शहडोल की बड़ी जिम्मेदारी, मनीष शर्मा जिला विद्युत सलाहकार समिति में हुए शामिल

दुर्गेश कुमार गुप्ता/मध्य प्रदेशः मनीष शर्मा जिला विद्युत सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत, संगठन एवं शासन के प्रति जताया आभार शहडोल। माननीय प्रभारी मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री आदरणीय श्री राजेन्द्र शुक्ला जी के निर्देश एवं जिला संगठन की अनुशंसा पर कलेक्टर शहडोल द्वारा समाजसेवी एवं सक्रिय जनप्रतिनिधि मनीष शर्मा को जिला विद्युत सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। इस मनोनयन के बाद क्षेत्र के सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं में हर्ष का माहौल देखा जा रहा है। जिला विद्युत सलाहकार समिति में सदस्य बनाए जाने पर मनीष शर्मा ने माननीय उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला जी, जिला प्रशासन, जिला संगठन तथा सीट्स नेतृत्व के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं जनहित की भावना के साथ किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि विद्युत व्यवस्था आमजन से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और समिति के माध्यम से जिले की विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बेहतर बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने का प्रयास किया जाएगा। उनके मनोनयन पर संगठन पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। लोगों ने विश्वास जताया कि श्री शर्मा के समिति में शामिल होने से जिले की विद्युत व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनेगी।

संक्षिप्त

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व के लिए मैच अधिकारी घोषित किये

दुबई, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले माह जून में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए घोषित सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। यह लगातार तीसरा अवसर है जब टूर्नामेंट में पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों को रखा गया है। इस पैनल में चार अधिकारी कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी हो पहली बार पैनल में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बताया कि महिला मैच अधिकारियों यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और महिला अधिकारियों की प्रगति के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

मुंबई में आलीशान घर, महंगी कारें, इतनी है वैभव सूर्यवंशी की नेटवर्थ

मुंबई, एजेंसी। IPL 2026 में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का बल्ला गदर मचाता नजर आ रहा है। बुधवार को मुल्लांपुर में हुए एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने SRH को मात दी है।

बिहार के समस्तीपुर जिले का एक छोटा सा गांव सुबह होते ही खेतों में काम पर निकलते किसान कच्चे घरों के बाहर खेलते बच्चे और उन्हीं बच्चों में एक दुबला-पतला लड़का जिसके हाथ में कभी बल्ला होता था, तो कभी टेनिस बॉल उस लड़के की आंखों में एक सपना था. "एक दिन क्रिकेटर बनना है" लेकिन सपने देखना आसान होता है उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है. उस लड़के के पिता कोई बड़े कारोबारी नहीं थे ना ही घर में अपार दौलत थी वो एक साधारण किसान थे जो खेतों में मेहनत करके अपने परिवार का गुजारा चलाते थे लेकिन कहते हैं ना अगर पिता अपने बच्चे के सपनों पर भरोसा कर ले तो किस्मत भी साथ देने लगती है।

फ्रेंच ओपन: ओसाका ने वेकिच को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई

पेरिस, एजेंसी। नाओमी ओसाका ने गुरुवार को फ्रेंच ओपन के कोर्ट सिमोन-मैथ्यू में लगभग दो घंटे तक चले जोरदार बेसलाइन मुकाबलों के बाद, क्रोएशिया की डोना वेकिच को 7-6(1), 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ ओसाका ने तीसरे राउंड में जगह बना ली। ओसाका और डोना वेकिच के बीच खेला गया मुकाबला बेहद मुश्किल और संघर्षपूर्ण था। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली वेकिच ने ओसाका पर लगातार दबाव बनाए रखा और मैच की शुरुआत में अपनी सर्विस भी बचाए रखी। लेकिन, ओसाका ने टाई-ब्रेक के दौरान अपने खेल का स्तर उठाया और इसे 7-1 से जीता। दूसरे सेट में भी अपनी बढ़त बनाए रखते हुए उन्होंने अंतिम 32 में जगह बनाई। ओसाका की यह जीत 2019 के बाद पेरिस में उनका अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। ओसाका के लिए क्ले कोर्ट कभी

बीसीसीआई एएससीयू ने स्मार्ट सनग्लासेस के इस्तेमाल पर रोक लगाई

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक और सुरक्षा ईकाई ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में हिस्सा लेने वाली टीमों को टूर्नामेंट में 'स्मार्ट गॉगल्स' रखने या उनका इस्तेमाल न करने की चेतावनी दी है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई द्वारा 18 मई को फ्रेंचाइजी को साझा किये गये प्रोटोकॉल में बताया गया है कि कुछ कंपनियां जो खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को ये स्मार्ट सनग्लास या गॉगल्स बेचती हैं, उनमें एडवांस्ड कम्युनिकेशन फीचर्स होते हैं, जिनमें लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट मैसेज भेजना और पाना, साथ ही मोबाइल डेटा या वाई फाई के जरिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग ऑप्शन शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने विनेश को एशियन गेम्स के ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी

- डब्ल्यूएफआई की याचिका खारिज
- सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने जिस तरह सुनवाई की, उस पर चिंता भी जताई

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाफ को राहत देते हुए एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया(डब्ल्यूएफआई) उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गई थी। इस मामले में शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई की याचिका को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। ऐसे में अब विनेश के गेम्स 2026 के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने कहा कि विनेश ने देश का सिर ऊंचा किया है। साथ ही कहा, अगर कोई और होता तो बात दूसरी होती। उसने देश को गर्व कराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने जिस तरह सुनवाई की, उस पर चिंता भी जताई पर उनके आदेश में हस्तपेक्ष से इनकार कर दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने जिस तरीके से इस मामले की सुनवाई की, वह ठीक नहीं है। अदालत ने चेताया कि खेल प्रशासन में अदालतों की जरूरत से ज्यादा दखलअंदाजी से स्पोर्टिंग इकोसिस्टम पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

इससे पहले 22 मई को दिल्ली हाई कोर्ट की एक बेंच ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। अपने फैसले में हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि फेडरेशन की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनकी नीति में दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकार नहीं था। हाई कोर्ट के इस फैसले को डब्ल्यूएफआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने अपने आदेश दिया था कि फेडरेशन 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग कराये। इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया साई) और भारतीय ओलिंपिक संघ का एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद रहे।

दिल्ली हाई कोर्ट की बेंच ने आदेश दिया था कि विनेश एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेंगी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई के इस रवैये पर भी नाराजगी जताई कि उसने कारण बताओ नोटिस में फोगाट के 2024 पेरिस ओलिंपिक खेलों से बाहर होने को राष्ट्रीय शर्मिंदगी बताया था। अदालत ने कहा कि ऐसा बयान बेहद अफसोसजनक और पूरी तरह गलत सोच पर आधारित है जिससे बचना चाहिए था। अदालत ने कहा, इस तरह की टिप्पणियां पिछड़ी सोच दिखाती हैं और डब्ल्यूएफआई (प्रतिवादी नंबर एक) की दुर्भावना भरी भावना को जाहिर करती हैं जो अपील करने वाली खिलाड़ी के प्रति बदले की भावना से काम कर रहा है। गौरतलब है कि इसी महीने की शुरुआत में डब्ल्यूएफआई ने फोगाट को 26 जून 2026 तक किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। डब्ल्यूएफआई ने इसके पीछे यह तर्क दिया था कि डोपिंग-रोधी नियमों के तहत, संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए छह महीने का अनिवार्य नोटिस पीरियड पूरा करना जरूरी होता है।

ऋषभ पंत ने छोड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी।

ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में प्रदर्शन' शर्मनाक' रहा। ये टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर रही। 'प्लेऑफ' की रेस से बाहर होने के बाद पंत ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया है। खुद फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर इसकी जानकारी दी।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) यह औपचारिक तौर पर घोषित करना चाहती है कि ऋषभ पंत ने फ्रेंचाइजी के साथ अपनी कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त होने का अनुरोध किया है। फ्रेंचाइजी ने तत्काल प्रभाव से उनके इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। एलएसजी के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने कहा, "ऋषभ ने इस अनुरोध के साथ फ्रेंचाइजी से संपर्क किया और हमने सम्मानपूर्वक इसे स्वीकार कर लिया है। ये फैसले कभी भी आसान नहीं होते। हम उन सभी चीजों के लिए आभारी हैं, जो ऋषभ बतौर कप्तान इस ड्रेसिंग रूम में लाए हैं। अब हमारा ध्यान सामूहिक प्रयासों पर है- सर्वश्रेष्ठ मानकों तक पहुंचने के लिए टीम का पुनर्निर्माण और पुनर्गठन करना।"

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स ने ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा था। यह आईपीएल नीलामी में किसी खिलाड़ी पर लगाई गई सबसे बड़ी बोली थी।पंत की कप्तानी में पिछले सीजन एलएसजी 14 में से महज 6 ही मैच जीत सकी। 12 अंकों के साथ यह टीम प्वाइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर रही। आईपीएल 2025 में पंत ने 14 मुकाबलों में 24.45 की औसत के साथ 269 रन बनाए थे, जिसमें नाबाद 118 रन की शतकीय पारी भी शामिल थी।

इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स में स्टार पैरा एथलीटों ने बिखेरी चमक, सुमित अंतिल ने जीता स्वर्ण

- पुरुषों की भाला फेंक एफ46 श्रेणी में एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला

बेंगलुरु, एजेंसी।

बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित 8वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2026 के आखिरी दिन पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल बड़े स्टार बनकर उभरे। उन्होंने पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया।

हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए, सुमित ने बुधवार को 74.82 मीटर की जबरदस्त थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र के संदीप सरगर ने 62.88 मीटर की थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि राजस्थान के संदीप ने 61.83 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। पुरुषों की भाला फेंक एफ46 श्रेणी में एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। हरियाणा के रिंकू ने 61.70 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश के अजीत सिंह ने 60.72 मीटर की थ्रो के साथ रजत पदक जीता, जबकि रवि कुमार ने 59.33 मीटर की थ्रो के साथ उत्तर प्रदेश के लिए एक और कांस्य पदक जोड़ा।पुरुषों की भाला फेंक एफ57 स्पर्धा में, हरियाणा के प्रवीण कुमार ने 45.02 मीटर की थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने उत्तराखंड के हेम चंद्र (42.60 मीटर) और तमिलनाडु के बालासुब्रमण्यम अरुलराज (40.62 मीटर) को पीछे छोड़ा।पैरालंपिक पदक विजेता निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करके हिमाचल प्रदेश के लिए स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय महिला हॉकी टीम की पर्थ में लगातार दूसरी जीत

मैत्री श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

- इस जीत के साथ भारत ने चार मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली

पर्थ, एजेंसी।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मैत्री श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने चार मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारतीय टीम ने पहले मुकाबले में मिली हार के बाद दूसरे मैच में 4-2 से शूटआउट जीत हासिल की थी और अब तीसरा मुकाबला भी अपने नाम कर लिया।

दोनों टीमों के बीच खेले गए तीसरे मैच में शुरुआत से ही मजबूत रक्षात्मक खेल देखने को मिला। पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल नहीं होने दिया और हाफ टाइम तक मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत को सफलता मिली, जब सोनम ने 36वें मिनट में फील्ड गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में भी अपना दबदबा बनाए रखा और 49वें मिनट में लालरेमसियामी ने एक और फील्ड गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके साथ ही भारत ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। श्रृंखला का चौथा और अंतिम मुकाबला शनिवार, 30 मई को भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे इसी मैदान पर खेला जाएगा।

दो साल बाद टीम में वापसी पर यास्तिका: यह पारी बहुत ख़ास थी

चेम्सफोर्ड, एजेंसी।

घुटने की सर्ज़री के बाद वापसी कर रहीं यास्तिका भाटिया को लगा था कि वह फिर से एक नई शुरुआत कर रही हैं। लेकिन इंग्लैंड के ख़िलाफ़ पहले टी 20 में ऐसा लगा कि वह जैसे हमेशा से ही भारतीय बल्लेबाज़ी क्रम का हिस्सा रही हों। ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि यह अक्तूबर 2024 के बाद उनका पहला अंतरराष्ट्रीय मैच है। बस वही अच्छी फ़ॉर्म दिखी, जो उन्होंने अभ्यास में दिखाई थी। मैच के पहले ही ओवर में लॉरेन बेल ने स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को आउट कर भारत का स्कोर 2 विकेट पर 7 रन कर दिया था। हरमनप्रीत कौर एकादश में नहीं थीं और उन्हें जेमिमा रॉड्रिग्स के साथ भारतीय पारी को संभालना था। दोनों ने ऐसा किया भी और तीसरे विकेट के लिए 76 गेंदों में 126 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने ही चेम्सफ़ोर्ड में भारत की 38 रनों की जीत की नींव रखी। रॉड्रिग्स ने 40 गेंदों में 69 रन बनाए और यास्तिका ने उतनी ही गेंदों में 54 रन की पारी खेली।

पिछले साल वनडे विश्व कप की ट्रेनिंग कैंप के दौरान उनके घुटने में चोट लगी थी और अक्तूबर में उनकी सर्ज़री हुई। इसके कारण वह 50 ओवर विश्व कप और इस साल के डब्ल्यूपीएल से बाहर हो गई थीं। 2024 में वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौक़ा नहीं मिला था। और फिर डब्ल्यूबीबीएल के दौरान उनकी कलाई में चोट लग गई थी। गुरुवार को अपनी पारी के बारे में यास्तिका ने कहा, "यह पारी बहुत ख़ास है। मैं लंबे समय बाद वापसी कर रही हूं और टीम ने मेरा बहुत अच्छे से स्वागत किया। वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है।

फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का सिलसिला जारी

राफेल कोलिंगन ने शेल्टन को हराया

पेरिस, एजेंसी।

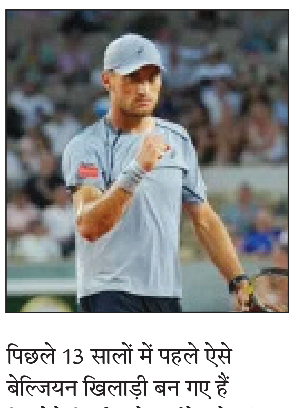

फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। मेंस सिंगल्स में राफेल कोलिंगन ने अब पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बेन शेल्टन को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है।

कोलिंगन ने यह मुकाबला सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 6-4 से जीता और तीसरे राउंड में जगह बना ली। कोलिंगन की इस जीत के साथ टॉप हाफ ड्रॉ में अब सिर्फ एक टॉप-8 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ही बचा है। दो घंटे, तीन मिनट की इस जीत में कोलिंगन ने 49 में से 43 फर्स्ट-सर्व पॉइंट हासिल किए और उन्हें कभी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

फ्रेंच ओपन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 62वें नंबर के खिलाड़ी राफेल कोलिंगन ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वे पिछले 13 सालों में पहले ऐसे बेल्जियन खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट में टॉप-5 सीड खिलाड़ी को हराया है। इससे पहले यह कारनामा 13 साल पहले कोच डार्सिस ने विंबलडन में राफेल नडाल को हराकर किया था।

पिछले साल सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेविस कप मुकाबले में भी राफेल कोलिंगन ने बड़ा उलटफेर किया था, जब उन्होंने एलेक्स डी मिनौर को हरा दिया था। यह उनकी दूसरी बार किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत थी। इस टूर्नामेंट में चौथे सीड फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ही टॉप हाफ में अकेले बचे हुए टॉप-8 सीड खिलाड़ी रह गए थे, यानी बाकी बड़े खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके थे।

कोलिग्नन का अगला मुकाबला इटली के माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने 2021 में फाइनल में पहुंचने वाले स्टेफानोस सितसिपास को 7-6(2), 5-7, 6-3, 6-2 से हराया। दूसरे मुकाबलों में, ऑगर-अलियासिमे ने अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा को 4-6, 6-0, 7-5, 6-1 से हराया और कोबोली ने वू यिबिंग को 6-4, 6-4, 6-4 से मात दी। 2021 में क्वार्टर-फाइनल तक पहुंचने वाले माटेओ बेरेटिनी ने 22वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया।

फीफा विश्व कप: नेमार का ब्राजील के लिए पहला मैच खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली, एजेंसी।

फीफा विश्व कप 2026 में करिश्मा करने की तैयारी कर रही ब्राजील की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार फॉरवर्ड नेमार का विश्व कप के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। नेमार वार्म-अप मैचों से भी बाहर हो गए हैं। ब्राजील को रविवार को ब्रासीलिया में पनामा के खिलाफ मैच खेलना है। इसके बाद ब्राजील 5 जून को मिस्र के खिलाफ अपना दूसरा वार्म-अप मैच खेलेगी। इन दोनों मैचों में नेमार के खेलने की संभावना नहीं है।

ब्राजीलियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने बताया, "बुधवार को नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार विश्व कप के पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्हें अपनी चोटिल दाहिनी पिंडली के लिए और मेडिकल जांच करवानी पड़ी।

नेमार के स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग के अनुसार, "यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से खेल से दूर रखा हुआ है। 17 मई को ही उन्होंने आखिरी बार ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था। इस मैच में सैंटोस को हार का सामना करना पड़ा था।"

सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह लगेंगे। इससे विश्व कप में उनके खेलने की उम्मीदें बहुत कम रह गई हैं।

नेमार बुधवार को कैंप में पहुंचे और रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में बाकी टीम के साथ शामिल हुए।

चैलेंज

समुद्र तल से लगभग 5,600 मीटर की ऊंचाई(एवरेस्ट बेस कैंप से ज्यादा ऊंचाई)पर माना–बद्रीनाथ क्षेत्र में "समिट ऑर सरेंडर" हिमालयन रेस

माना पास चैलेंज 2026– एक्सट्रीम हाई एल्टीट्यूड रन का आयोजन 20 जून को होगा

देहरादून, एजेंसी।

सारमंग सोसाइटी ने आधिकारिक रूप से माना पास चैलेंज 2026 के विस्तारित रेस फॉर्मेट की घोषणा की है। यह हाई-एल्टीट्यूड हिमालयन रोड एंड्योरेंस पहल का फाउंडिंग एडिशन है, जिसे उत्तराखंड के माना–बद्रीनाथ क्षेत्र में "समिट ऑर सरेंडर" हिमालयन रेस सीरीज के तहत प्रस्तावित किया गया है।

माना पास चैलेंज भारत के सबसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण हिमालयी सड़क मार्गों में से एक पर प्रस्तावित है। माना पास रोड उत्तराखंड की सबसे ऊँचाई पर स्थित सड़क, भारत की तीसरी सबसे ऊँची मोटर योग्य सड़क और दुनिया की सबसे ऊँचाई पर स्थित सड़कों में से एक मानी जाती है, जो समुद्र तल से लगभग 5,600 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। यह एवरेस्ट बेस कैंप से भी अधिक ऊंचाई स्थित है

20 जून 2026 को आयोजित होने वाला माना पास चैलेंज एक नियंत्रित हाई-एल्टीट्यूड रोड एंड्योरेंस इवेंट के रूप में डिजाइन किया गया है। यह इवेंट समुद्र तल से लगभग 5,600 मीटर की ऊंचाई के नजदीक वाले क्षेत्र में संचालित होगा, जिससे यह भारत की दुर्लभ एक्स्ट्रीम-एल्टीट्यूड रोड रेसिंग पहलों में शामिल होता है।

2026 एडिशन में हिमालयी क्षेत्र के अलग-अलग एल्टीट्यूड जोन में चार रेस कैटेगरी होंगीः

50 किलोमीटर एक्स्ट्रीम एल्टीट्यूड रोड रेस

5600m 3140m

25 किलोमीटर हाई एल्टीट्यूड एंड्योरेंस रेस

5600m 4501m

10 किलोमीटर हाई एल्टीट्यूड रोड रन

3140m 3575m 3140m

5 किलोमीटर हाई एल्टीट्यूड एक्सपीरियंस रन

3140m 3355m 3140m

आयोजकों के अनुसार, 50 किलोमीटर और 25 किलोमीटर रेस माना पास क्षेत्र से शुरू होंगी, जबकि 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर कैटेगरी माना गांव से शुरू होकर वहीं समाप्त होंगी। इस तरह अलग-अलग एल्टीट्यूड जोन में प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग एंड्योरेंस अनुभव तैयार किए जाएंगे।

इस विस्तार का उद्देश्य एक संरचित हाई-एल्टीट्यूड एंड्योरेंस प्लेटफॉर्म तैयार करना है, जिसमें अनुभवी अल्ट्रा-डिस्टेंस रनर्स के साथ-साथ वे प्रतिभागी भी शामिल हो सकें जो नियंत्रित पर्वतीय परिस्थितियों में हिमालयन रोड रेसिंग का अनुभव लेना चाहते हैं।

सामान्य रोड रेसों से अलग, माना पास चैलेंज को निम्न बातों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया हैः

* हाई-एल्टीट्यूड एक्लाइमेटाइजेशन डिसिप्लिन
* जिम्मेदार हिमालयन ऑपरेशन्स
* मेडिकल प्रिपेयर्डनेस सिस्टम्स
* नियंत्रित पार्टिसिपेंट मैनेजमेंट
* दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्र में इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लानिंग

इस इवेंट का आयोजन सारमंग सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है। यही संस्था समिट ऑर सरेंडर हिमालयन रेस सीरीज के तहत लगभग 5,799 मीटर की ऊंचाई पर आयोजित लद्दाख उमलिंगला चैलेंज के पीछे भी रही है। आयोजन टीम ने कहा कि माना पास चैलेंज को एक लंबे समय तक चलने वाले हिमालयन एंड्योरेंस प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। इसका फोकस संरचित हाई-एल्टीट्यूड भागीदारी, पर्वतीय तैयारी और कठिन वातावरण में जिम्मेदार आयोजन पर रहेगा।

इस पहल के बारे में सारमंग सोसाइटी के सेक्रेटरी अनिल मोहन ने कहाः

"माना पास चैलेंज केवल एक रोड रेस नहीं है। यह एक हिमालयन एंड्योरेंस पहल है, जिसे एल्टीट्यूड अवेयरनेस, अनुशासित तैयारी, एक्लाइमेटाइजेशन, ऑपरेशनल रिस्पॉन्सिबिलिटी और पर्वतीय परिस्थितियों के सम्मान को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इतनी ऊंचाई पर अंततः पर्वत ही परिस्थितियों, समय और दृष्टिकोण को तय करता है।"

'खतरों के खिलाड़ी 15' के साथ रोहित शेट्टी करने जा रहे हैं वापसी

मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर कलर्स टीवी के लोकप्रिय स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने दर्शकों के बीच शो को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर किया। रोहित ने इंस्टाग्राम पर शो का प्रोमो वीडियो पोस्ट किया। इसमें रोहित अपने सिग्नेचर अंदाज में हेलीकॉप्टर में बैठकर जाते हुए नजर आ रहे हैं, जिसे देखकर फैंस की उत्सुकता शो को लेकर और भी बढ़ती दिख रही है। निर्देशक रोहित शेट्टी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'इस शो के होस्ट के तौर पर मेरा यह 10वां सीजन है और यह शो मेरे दिल के बहुत करीब है। इतने सालों से मुझे और इस शो को इतना प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। मैं वादा करता हूं कि इस बार का सीजन जबरदस्त होने वाला है, इसलिए अपनी सीट बेल्ट बांध लीजिए। 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 15 जल्द आ रहा है। '

बता दें कि इस सीजन की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में शुरू हो चुकी है। शो का प्रसारण जून के अंत या फिर जुलाई की शुरुआत में होने की उम्मीदें जताई जा रही हैं। इस बार शो में 'ओल्ड वर्सेस न्यू' (पुराने और नए खिलाड़ियों के बीच) का मुकाबला देखने को मिलेगा। वहीं, टीवी, फिल्मों और कुछ कंटेंट क्रिएटर भी शो का हिस्सा रहेंगे। इसमें गौरव खन्ना, रुबीना दिलैक, जैस्मिन भसीन, ऋत्विक धनजानी, करण वाही, अविका गौर, हर्ष गुजराल, ओरी, अविनाश मिश्रा, शगुन शर्मा, विशाल सिंह और फरहाना भट्ट समेत कई नाम शामिल हैं।

रोहित शेट्टी बहुचर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी की नई फिल्म 'गोलमाल 5' भी लेकर आ रहे हैं। फिल्म की तैयारियां जोरों पर हैं। रोहित शेट्टी और अजय देवगन की यह 14वीं साझेदारी होगी। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और कुणाल खेमू एक साथ नजर आएंगे। साथ ही, शरमन जोशी भी 20 साल बाद इस फ्रेंचाइजी में वापसी कर रहे हैं। खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते दिखाई देंगे।

क्या तलाक लेने वाली हैं सपना चौधरी?

हरियाणा की मशहूर डांसर और एक्ट्रेस सपना चौधरी और उनके पति वीर साहू की शादी को 6 साल हो चुके हैं और उनके दो बेटे (पोरस और शाहबीर) हैं। लेकिन हाल ही में आए सपना के एक इंटरव्यू के बाद दोनों के रिश्ते में अनबन और खटपट की खबरें सोशल मीडिया पर फैल गई हैं। लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या दोनों के बीच सब ठीक है या बात तलाक तक पहुंच गई है। एक इंटरव्यू के दौरान जब सपना से उनकी लव मैरिज और हाथ पर लिखे पति 'वीर' के नाम के टैटू के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वह अपने हाथ से यह टैटू हटवाने वाली हैं। आमतौर पर लोग टैटू को प्यार की निशानी मानते हैं, इसलिए सपना के इस फैसले से फैंस हैरान रह गए। हालांकि, अफवाहें उड़ने से पहले ही सपना ने खुद इस पर सफाई दी।

सपना चौधरी ने क्या सफाई दी?

सपना ने बताया कि टैटू हटवाने का कारण उनका काम (एक्टिंग) है, न कि कोई घरेलू झगड़ा। उन्होंने कहा, 'एक फिल्म की शूटिंग के दौरान टैटू को छुपाने के लिए चेहरे से ज्यादा मेकअप हाथ पर करना पड़ा, जिससे काफी समय बर्बाद हुआ।' सपना आगे चलकर एक्टिंग में ज्यादा काम करना चाहती हैं। फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाने पड़ते हैं और यह टैटू उसमें रुकावट बन रहा है। सपना ने पहले ही साफ कर दिया ताकि बाद में टैटू हटा देखकर लोग उनके रिश्ते को लेकर गलत अफवाहें न उड़ाएं। इसके बावजूद, जब इंटरव्यू में पति-पत्नी के रिश्ते और झगड़ों पर बात हुई, तो सपना ने बड़े ही बेपरवाह अंदाज में जवाब दिया। उनका यह अंदाज फैंस को पसंद नहीं आ रहा है और लोग सोशल मीडिया पर पूछ रहे हैं कि क्या यह शादी सिर्फ दिखावे की रह गई है?

वीर साहू हरियाणा के मशहूर सिंगर, राइटर, म्यूजिक कंपोजर और एक्टर हैं। उन्होंने 'थड्डी बड्डी' और 'खलनायक' जैसे गाने गाए हैं। वहीं सपना हरियाणा और पंजाब की बेहद लोकप्रिय डांसर और एक्ट्रेस हैं। 'बिग बॉस 11' से इन्हें देशभर में पहचान मिली। 'मैडम सपना' उनकी आने वाली फिल्म का नाम है।

अकेले रहना कमजोरी नहीं ताकत है

अभिनेत्री रिद्धि डोगरा टेलीविजन और ओटीटी की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने बताया कि अकेले रहना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वह लाल रंग की साड़ी पहने एक कैफे में बैठी नजर आ रही हैं। रिद्धि ने लिखा, 'जब आप अकेले किसी कैफे में जाकर खाना खाने, अकेले फिल्म देखने या खुद के साथ वक्त बिताने से डरना बंद कर देते हैं, तो दुनिया आपको खतरनाक समझने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आप समाज की बनाई पुरानी सोच से अलग हटकर जीना शुरू कर देते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'जब आप खुद के साथ खुश रहना सीख जाते हैं, तो आप दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के दबाव से आजाद हो जाते हैं। तब आप दूसरों को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी नहीं जीते।' अभिनेत्री ने बताया कि इस दौरान आपको लोग पसंद तो आते हैं, लेकिन आप उन्हें बांधकर रखने की जिद नहीं करते और जरूरत पड़ने पर उन्हें छोड़ना भी सीख जाते हैं। फिर भी आपके दिल में उनके लिए प्यार कम नहीं होता। उन्होंने लिखा, 'ज्यादातर लोग इस तरह नहीं सोचते, इसलिए उन्हें समझ नहीं आता कि आपके साथ कैसे पेश आएं।'

इमोशनल सपोर्ट सायली-सचिन के रिश्ते की असली ताकत

अभिनत्री नेहा हरसोरा इन दिनों स्टार प्लस पर प्रसारित धारावाहिक 'उड़ने की आशा' में नजर आ रही हैं। वह सीरियल में 'सायली' का मुख्य किरदार निभा रही हैं। खास बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने निजी जीवन की पसंद-नापसंद के बारे में बताया। धारावाहिक 'उड़ने की आशा' में नेहा के 'सायली' और सह-कलाकार कंवर ढिल्लन के 'सचिन' की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है। अभिनेत्री ने कहा, 'सच तो यह है कि सचिन और सायली शुरू से ही एक-दूसरे के लिए भावनात्मक रूप से खड़े रहे हैं। हालांकि, उनकी पहली प्राथमिकता हमेशा उनका परिवार ही रहा है। चाहे परिवार के सदस्यों ने उनके साथ कैसा भी बर्ताव क्यों न किया है, सायली और सचिन के लिए उनके माता-पिता और भाई-बहन हमेशा मायने रखते हैं।'

फिल्मों से क्यों दूर हैं नौहीद साइरूसी?

'अनवर' फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैंस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए।

नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्किनकेयर करते हुए नजर आईं और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, 'आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?' इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं। नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकंफर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।' उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, 'कई बार तो ऐसा होता है कि मैं हां या ना भी नहीं कह पाती, उससे पहले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है, क्योंकि मैं कहती हूं कि मैं किसिंग सीन में कम्फर्टेबल नहीं हूं।'

इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है

उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन लोगों में से नहीं थी जो एक्टर्स या प्रोड्यूसर्स के ग्रुप में घूमती रहती हों। मेरी एक्टिंग के अलावा भी एक पूरी जिंदगी थी। इसी वजह से मुझे अक्सर नुकसान झेलना पड़ता था। मुझे सिर्फ किसी की बहन, किसी की भाभी जैसे छोटे रोल ही मिलते थे। लेकिन मैंने सोच लिया था कि मुझे ऐसा काम नहीं करना है। मैं ऐसे रोल करने से बेहतर है कि काम ही ना करूं।' उन्होंने आगे कहा, 'फिर मुझे समझ आया कि इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है। मुझे खुशी है कि मैंने आपको ढूंढ लिया और आपने मुझे।'

कभी पत्रकार बनना चाहती थी फिर संगीत की रुचि हावी हो गई

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा नेअपने करियर, अभिनय और सिनेमा से जुड़े कई पहलुओं पर दिलचस्प बातें साझा कीं।

मेरी सफलता मेरी खुद की है

मंच पर पहुंचीं ऋचा से जब पूछा गया कि क्या स्टेज पर आने पर या परफॉर्म करते वक्त नर्वसनेस होती है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'नर्वस तो नहीं होती लेकिन जब मेरी इतनी तारीफ होती है तो अविश्वसनीय लगता है। लखनऊ मेरा ससुराल है। अपनी यात्रा को लेकर मैं बहुत तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे मेरे पसंदीदा करियर में मुकाम मिला है। मैं फिल्मी खानदान से नहीं हूं। तो यह अच्छा लगता है कि यहां तक अपने दम पर पहुंची हूं। लोग नेपोटिज्म पर बात करते हैं। मगर, इसका उल्टा भी होता है। मेरा सक्सेस मेरा खुद का है।

जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'किसी का करियर या जिंदगी एक प्रोसेस होती है। उसमें कोई डेस्टिनेशन नहीं होती। मैं जीत और हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। मुझे अच्छा लगता है कि मैं अपने उसूलों को कायम रखकर अपना काम चुन-चुनकर यहां तक पहुंची हूं। हां, करियर की शुरुआत मैं जरूर कुछ ऐसी स्क्रिप्ट में काम किया जिन्हें कहते हैं कि अपना दिमाग घर पर रखकर आओ।'

कभी जर्नलिस्ट बनने की चाहत थी

क्या ऋचा हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं? पूछा जाने पर ऋचा ने कहा, 'बनना तो चाहती थी पर मुझे पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। मैं जर्नलिस्ट भी बनना चाहती थी। मेरी हिंदी-इंग्लिश दोनों बहुत अच्छी थी। म्यूजिक में भी रुचि थी। एक्टिंग का शौक था। फिर यह रुचि, ऋचा पर हावी हो गई और मैंने अपना करियर पथ चुना।'

मैंने हमेशा स्ट्रगल का स्वाद लिया

अपने शुरुआती दौर पर बात करते हुए ऋचा ने कहा, 'शुरुआत में मेरा बहुत स्ट्रगल रहा। मैं कोई दुख की ऐसी कहानी आपके साथ नहीं साझा करना चाहती कि मैं रेलवे स्टेशन पर सोई। मैंने स्ट्रगल का बहुत स्वाद लिया। यही सोचा कि जब मेरे पास फेम और पैसा आ जाएगा तो यह संघर्ष के दिन मुझे कितने याद आएंगे। कभी केतली में मैगी बनाकर भी खाती थी, वो स्ट्रगल सबका होता है पर ऊपर वाला बहुत कृपालु रहा।'

लोग क्या कहेंगे? यह नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, 'दुनिया का सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। मुझे यह रोग नहीं पालना। मैं अपने सपनों के लिए, अपने समाज के लिए काम करना चाहती हूं। इसमें कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना, यह गाना सुनकर मैं अपना मन बहला लेती हूं। यह हमारी जर्नी का हिस्सा है।'

इंडस्ट्री को एक सोच बदलनी हो तो कहां जरूरत है उसकी?

मुझे बॉलीवुड में कुछ नहीं बदलना। वह एक सोसाइटी की झलक है। सोसाइटी बदलेगी तो बॉलीवुड बदल जाएगा। हमें ऐसी सोसाइटी बनाने है, जो बराबरी की हो, महिलाओं की इज्जत करे। ऐसा कुछ सोसाइटी होगी तो इंडस्ट्री में भी ऐसा हो जाएगी। मुझे लगता है कि औरत के अनगिनत लेबर पर हम गाने बनाते हैं। आज उसी की वजह से विज्ञापनों में कितना बदलाव है। यह बदलाव समाज में तेजी से दिखते हैं।

औरतों से कहा जाता है कि आपको बैलेंस करना होगा। आप इसे किस नजरिए से देखते हैं?

बैलेंस तो हम सबको करना पड़ता है। ग्रैविटी हमें बैलेंस पर रखती हैं। आपकी जड़ें जितनी मजबूत हों। परिवार के संस्कार जितने मजबूत हों। वह आपको स्ट्रेंथ देते हैं। मदरहुड की बात आपने की तो मैंने करीब डेढ़ साल तक आराम किया है। मैं मेंटली तैयार नहीं थी काम करने के लिए। मैंने वक्त लिया। क्योंकि लगा कि मेरे दिमाग और बॉडी को हील करने की जरूरी है। सबको ऐसा करना चाहिए। मुझे लगता है कि मर्द भी अगर चाहें तो बोलें कि मैं अपने नवजात शिशु के साथ तीन महीने रहना चाहता हूं।

प्रोड्यूसर बनने का फैसला कब लिया

बतौर एक्टर तो बहुत कुछ हो जाता है। हमें पांच साल तो मुंबई समझने में लग जाते हैं। मैंने अपनी शर्तों पर ही काम किया। जो पसंद आया, उसमें रिस्क होने पर भी मैंने किया। मैं बतौर निर्माता ऐसी कहानी कहना चाहूंगी, जो भारतीय जड़ों से जुड़ी हों लेकिन ग्लोबल उन्हें ले जा सकें। मैं कुछ अलग करना चाहूंगी। इसलिए मैंने गर्ल्स विल बी गर्ल्स प्रोड्यूस की थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।

किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401